सूविचार

चीजों की कीमत मिलने से पहले होती है और इंसानों की कीमत खोने के बाद होती है।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 102 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 3 रूपये | भोपाल, सोमवार 07 जुलाई 2025 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 1,300 नर्सों की नियुक्ति, आयुष्मान वैन को हरी झंडी दिखाई गई

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए रविवार को 1,300 से अधिक नए नर्सिंग अधिकारियों की नियुक्ति की और आयुष्मान भारत पंजीकरण वैन की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह और अन्य वरिष्ठ मंत्री उपस्थित थे। लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गुप्ता ने पिछली सरकार की तीखी आलोचना की और आरोप लगाया कि उसने राजधानी के स्वास्थ्य ढांचे को खराब होने दिया। उन्होंने कहा, अतीत में दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा इतनी खराब स्थिति में थी कि प्रति 1,000 लोगों पर केवल 0.42 अस्पताल बिस्तर उपलब्ध थे। उन्होंने कहा, 38 अस्पतालों में केवल छह एमआरआई मशीन और 12 सीटी स्कैन मशीन थीं। दवाइयों की कमी के कारण मरीजों को अक्सर वापस लौटना पड़ता था। गुप्ता ने मोहल्ला क्लीनिक पहल के तहत व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, दवाओं की खरीद और अस्पताल निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ, 22 अस्पतालों की घोषणा की गई लेकिन वे कभी पूरे नहीं हुए। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शहर की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, ये नर्सें और स्वास्थ्य कर्मी राजधानी में एक नए, मजबूत स्वास्थ्य सेवा ढांचे की रीढ़ बनेंगे।

भाजपा की मदद करने की साजिश... बिहार में मतदाता सूची संशोधन पर बोली कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह अभियान बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद करने के लिए एक जानबूझकर की गई साजिश है। पार्टी ने इस प्रक्रिया के तहत आवश्यक दस्तावेजीकरण प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया तथा तर्क दिया कि इतने व्यापक सत्यापन कार्य को पूरा करने के लिए दी गई 25 दिनों की समय-सीमा अवास्तविक है। कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जिस तरह से आधार कार्ड बनाए गए, उससे लगता था कि यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। अब हम उसी आधार कार्ड को दिखाकर वोट नहीं दे सकते। जिस तरह के दस्तावेज (भारत के चुनाव आयोग द्वारा) मांगे गए हैं, उससे यह संभव है कि मैं एसआईआर में मतदाता सूची से बाहर हो जाऊं। भारत के चुनाव आयोग ने 24 जून को बिहार में एसआईआर की घोषणा की थी, जिसमें तेजी से बढ़ते शहरीकरण, लगातार पलायन, पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं की बढ़ती संख्या, मौतों की गैर-रिपोर्टिंग और 'विदेशी अवैध प्रवासियों' के बारे में चिंताओं जैसे कारकों के कारण मतदाता सूची को अपडेट करने की आवश्यकता का हवाला दिया गया था। इस अभियान में 25 जुलाई तक लगभग 79 मिलियन मतदाताओं से गणना फॉर्म एकत्र करना शामिल है। मसौदा मतदाता सूची 1 अगस्त को और अंतिम सूची 30 सितंबर को जांच के बाद प्रकाशित की जाएगी। कांग्रेस सांसद ने बिहार में बढ़ते अपराध की भी आलोचना की और दावा किया कि जब भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन करते हैं, तो ऐसी घटनाएं बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा, 'एक समय था जब पूरा बिहार शांति, सद्भाव, ज्ञान और तप की भूमि के रूप में जाना जाता था, लेकिन आज यहां गुंडों की गोलियां आग उगल रही हैं।

नयी प्रौद्योगिकियां भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि नयी प्रौद्योगिकियां आने वाले वर्षों में भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन के 'संगम 2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, ''आपका विज्ञान, आपकी प्रौद्योगिकी, इस जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी, अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार के साथ मिलकर भारत के भविष्य की विकास गाथा को आकार देंगे।'' गोयल ने कहा कि भारत नौकरी चाहने वाले देश से नौकरी देने वाले देश में बदल रहा है। उन्होंने कहा, ''बेशक, कुछ छोटे उपायों में, हमने स्टार्टअप पारिस्थितिकी और इसका समर्थन करने के लिए विभिन्न अन्य पहलों का हिस्सा बनने की कोशिश की है, साथ ही आईआईटी मद्रास जैसे संगठनों ने जो काम किया है, उसका भी हिस्सा बनने की कोशिश की है।''

दुग्ध उत्पादन के जरिए जनजातीय भाई-बहनों की बढ़ाएं नकद आय

वनवासियों के कल्याण के लिए करें सभी प्रबंध

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्नेह का बंधन एकतरफा नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार हर पल वनवासियों के साथ खड़ी है, यह बात पूरी शिद्दत से उन तक पहुंचनी चाहिए। सभी वनवासियों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें और उनके जीवन में विकास का प्रकाश लाने की दिशा में काम करें। वनवासियों के कल्याण के लिए हरसंभव प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के अध्ययनरत एवं रोजगार कर रहे बच्चों का सामाजिक सम्मेलन बुलाएं।

सरकार वनवासियों के साथ है, यह भावना जन जन तक जानी चाहिए

इस सम्मेलन के जरिए सरकार इन बच्चों को उन तक पहुंचने वाले लाभ का फीड-बैक भी लेगी और जिन्हें जरूरत है, उन तक सरकार की योजनाएं तथा सुविधाएं भी पहुंचाई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम और पेसा एक्ट के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई राज्य-स्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति तथा इसी विषय के लिए गठित कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कार्य एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को वनाधिकार के व्यक्तिगत और सामुदायिक दावों का तेजी से निराकरण कर 31 दिसंबर 2025 तक पेंडेसी जीरो करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट यानि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 लागू है। इसमें पेसा मोबालाईजर्स के जरिए जनजातियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देकर योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाता है। इन सभी पेसा मोबालाईजर्स की अपने काम पर उपस्थिति और उच्च कोटि का कार्य प्रदर्शन फील्ड में दिखाई भी देना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा मोबालाईजर्स को नियुक्त करने और संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर इन्हें हटाने के अधिकार सरकार अब ग्राम सभाओं को देने जा रही है।इस निर्णय से एकरूपता आएगी और ग्राम सभाएं पेसा मोबालाईजर्स से अपने मुताबिक काम भी ले सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वनवासियों की बेहतरी के लिए संकल्पित है। उनके सभी हितों की रक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि वन विभाग का मैदानी अमला यह सुनिश्चित करे कि वन भूमि पर अब कोई भी नये अतिक्रमण कदापि न होने पाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए महाराष्ट्र सरकार के जलयुक्त शिविर अभियान की तरह समन्वय पर आधारित मॉडल मध्यप्रदेश में भी अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों द्वारा इस अधिनियम के अमल के लिए की जा रही कार्यवाही के सभी पहलुओं का अध्ययन कर लें और जो सबसे उपयुक्त है उसी मॉडल पर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए विधायकों द्वारा विजन डॉक्यूमेंट बनाया गया है। वनाधिकार अधिनियम और पेसा कानून के अमल के लिए समुचित प्रावधान भी इसी विजन डॉक्यूमेंट में शामिल कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार क्रमबद्ध रूप से विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समूहों और अन्य जनजातीय बहुल गांव, मजरों-टोलों तक सड़कों का निर्माण कर रही है। ग्राम पंचायत विकास कार्ययोजना में पेसा कोष की राशि खर्च करने का अधिकार भी संबंधित पेसा ग्राम सभा को दिया जा रहा है। बैठक में समिति के सदस्य एवं पूर्व विधायक श्री भगत सिंह नेताम ने बताया कि वनाधिकार अधिनियम के प्रभावी अमल के लिए बालाघाट जिले में पुलिस विभाग द्वारा सभी पुलिस चौकियों में एकल सुविधा केन्द्र स्थापित कर इसके जरिए कैम्प लगाकर जनजातियों को लाभान्वित किया जा रहा है। अब तक 450 वनाधिकार दावे भरवाए जा चुके हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार बड़े पैमाने पर मंदिरों का जीर्णोद्धार कराएगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए मंदिरों के बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार और पर्यटन विकास के लिए एक योजना शुरू की है। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया है कि इस योजना के तहत भृगु (बलिया) और दुर्वासा ऋषि (आजमगढ़) के आश्रमों सहित जैन मंदिर का कायाकल्प किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि बयान में कहा गया है कि विशेष रूप से पूर्वांचल के मंदिरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पर्यटन विभाग ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। बयान में कहा गया है कि इसमें बलिया में भृगु आश्रम स्थित चित्रगुप्त मंदिर का सौंदर्यीकरण, तेंदुआ पट्टी फरसातार मौजा हौलपुर में हनुमान मंदिर परिसर का पर्यटन विकास, बसंतपुर गांव में उदासीन मठ का विकास, आजमगढ़ के महाराजगंज में भैरो बाबा स्थल का पर्यटन विकास और फूलपुर पवई में दुर्वासा ऋषि आश्रम का विकास किया जाना प्रस्तावित है। बयान में कहा गया है कि मऊ जिले में श्री वीरा बाबा ब्रह्म स्थान का पर्यटन विकास, आजमगढ़ के मिश्रापुर में राम जानकी मंदिर का विकास, कन्नौज के सदर में फूलमती देवी मंदिर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

सुपरपावर देशों की तानाशाही से टकराव का माहौल,

कभी भी हो सकता है विश्व युद्ध : गडकरी

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि दुनिया में रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान जैसे युद्धों के कारण टकराव का माहौल बन गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी स्थिति बन रही है जिससे कभी भी विश्व युद्ध छिड़ सकता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में बियॉन्ड बॉर्डर्स नाम के पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़ी महाशक्तियों की तानाशाही और अधिनायकवाद के चलते दुनिया से समन्वय, सौहार्द और प्रेम खत्म होता जा रहा है। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया में संघर्ष का वातावरण है। रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान के बीच युद्ध जारी हैं। ऐसे हालात बन रहे हैं कि कभी भी वर्ल्ड वॉर जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। केंद्रीय मंत्री ने इस मौके पर भारत की सांस्कृतिक विरासत की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की धरती है, जिसने दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश दिया है। नितिन गडकरी ने कहा कि युद्ध की तकनीक अब पूरी तरह बदल चुकी है। अब टैंक और पारंपरिक विमान कम उपयोगी हो गए हैं, जबकि मिसाइल और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा अब मिसाइलें सीधे नागरिक बस्तियों पर गिराई जा रही हैं, जिससे मानवता की रक्षा करना मुश्किल होता जा रहा है।

यह एक गंभीर समस्या है जिस पर वैश्विक स्तर पर चर्चा की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि बड़ी महाशक्तियां जो दुनिया पर अपना दबदबा बनाना चाहती हैं, उनकी तानाशाही और अधिकारवादी रवैये के कारण दुनिया में समरसता खत्म होती जा रही है। उन्होंने कहा, यह कहना ठीक नहीं होगा, लेकिन सच्चाई यह है कि दुनिया धीरे-धीरे विनाश की ओर बढ़ रही है। नितिन गडकरी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को वैश्विक घटनाओं की गंभीर समीक्षा कर भविष्य की नीति तय करनी चाहिए, जिससे दुनिया में शांति और स्थिरता लाई जा सके।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताईं निजी मजबूरियां, कहा- कुछ दिनों में छोड़ दूंगा बंगला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश के आधिकारिक आवास को खाली करने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखे जाने के बाद, पूर्व CJI जस्टिस धनंजय वाई चंद्रचूड़ ने बंगले में लंबे समय तक रहने के पीछे अपनी निजी मजबूरियों का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि देरी उनके परिवार की जरूरतों के कारण हुई है, क्योंकि उनकी दो बेटियां विशेष आवश्यकताओं वाली हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताया, मेरी बेटियों को गंभीर बीमारियां और आनुवंशिक समस्याएं हैं - खासकर नेमालाइन मायोपैथी, जिसके लिए उनका इलाज एम्स के विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार के लिए उपयुक्त घर खोजने में समय लग रहा है, हालांकि उन्होंने माना कि यह एक व्यक्ति गत मुद्दा है। चंद्रचूड़ ने यह भी साफ किया कि इस बारे में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों और अधिकारियों के साथ पहले ही चर्चा की जा चुकी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सर्वोच्च न्यायिक पद पर आसीन होने के कारण उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का पूरा एहसास है, और उन्होंने आश्वासन दिया कि वे कुछ दिनों में बंगला छोड़ देंगे।

चिराग पासवान ने नीतीश सरकार की कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार की सभी विधानसभा सीटों पर NDA (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के खिलाफ चुनाव लड़ने का बड़ा ऐलान किया है। इस घोषणा के साथ ही उन्होंने राज्य की नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा। पासवान ने पटना में एक मशहूर कारोबारी की हालिया हत्या को लेकर नीतीश सरकार की कानून-व्यवस्था पर कड़ी आलोचना की। व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड पर प्रतिक्रिया देते हुए चिराग पासवान ने कहा, %जिस तरह से बिहार में अपराध बढ़ा है और कानून-व्यवस्था जिस तरह से ध्वस्त हुई है, यह चिंता का विषय है। मैं केवल एक व्यापारी की हत्या को लेकर नहीं कह रहा हूं हालांकि यह भी चिंता का विषय है क्योंकि ऐसी जगह पर यह घटना घटी है जो पटना का एक पॉश इलाका है। 100 मीटर की दूरी पर जहां थाना है और अधिकारियों के घर हैं। यदि यहां पर ऐसी घटना घट रही है तो सोचिए गांव-देहात में क्या हो रहा होगा? अगर बिहार में एक भी हत्या होती है तो सरकार और प्रशासन के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। कहां चूक हुई है, इसे हमें सुधारना होगा और कड़ी से कड़ी कार्रवाई करके हमें एक उदाहरण देना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं ना घटे। जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग ने हुंकार भरते हुए कहा, आज सारण की इस पावन धरती से, आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे।

ठाकरे बंधुओं की एकजुटता से फडणवीस और महायुति के अन्य नेता परेशान : राउत

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के एक साथ आने से मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस सहित सत्तारूढ़ 'महायुति' के नेता घबरा गए हैं। शिवसेना (उबाठा) से जुड़े राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि ठाकरे बंधुओं ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार द्वारा हिंदी संबंधी सरकारी आदेश वापस लिए जाने का जश्न मनाने के लिए 'विजय' रैली आयोजित की जिससे महायुति के नेता असमंजस में हैं। चचेरे ठाकरे भाइयों ने दो दशकों में पहली बार एक साथ राजनीतिक मंच पर नजर आए थे। इस दौरान उद्धव ने संकेत दिया कि शिवसेना (उबाठा) और मनसे के बीच राजनीतिक गठबंधन हो सकता है। राउत ने कहा, ''महायुति नेता और देवेंद्र फडणवीस ठाकरे बंधुओं के साथ आने से परेशान हैं।''शिवसेना-मनसे की जनसभा के बाद फडणवीस ने दावा किया था कि उद्धव ठाकरे ने 'रुदाली' जैसा भाषण दिया है।

भारत-अर्जेंटीना संबंधों में मील का पत्थर

ब्यूनस आयर्स में पीएम मोदी को की टू द सिटी सम्मान

ब्यूनस आयर्स। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शनिवार को अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान की टू द सिटी (शहर की चाबी) सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान भारत और अर्जेंटीना के बीच संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए दिया गया।

यह सम्मान विश्व के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को ही दिया जाता है जो किसी शहर के साथ विशेष संबंध बनाते हैं या उस शहर में सांस्कृतिक, राजनीतिक या आर्थिक जुड़ाव बढ़ाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान के प्रति आभार जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ब्यूनस आयर्स के सिटी गवर्नमेंट प्रमुख जॉर्ज मैकरी से 'की टू द सिटी' प्राप्त करना मेरे लिए गौरव की बात है। यह सम्मान भारत-अर्जेंटीना संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान को मान्यता देता है। पीएम मोदी की यह यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि 57 वर्षों में पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा की है। पीएम मोदी के होटल के बाहर भारतीय प्रवासी समुदाय के सैकड़ों लोग झंडे लहराते हुए और भारतीय संगीत पर नाचते हुए उनका स्वागत करते नजर आए। यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी के पांच देशों के दौरे का तीसरा पड़ाव थी। ब्यूनस आयर्स में पीएम मोदी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर की मूर्तियों पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, गांधीजी की कालातीत सोच और आदर्श मानवता का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

बारिश

मप्र के शहडोल में अस्पताल में पानी भरा, नासिक में मंदिर गोदावरी में डूबे

हिमाचल में कार खाई में गिरी, 4 की मौत

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में मनाली-रोहतांग दर्रे के पास अल्टो कार सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। घटना में 4 लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति घायल है। राज्य में अब तक 82 लोगों की मौत बारिश से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी है। 50 लोगों की जान लैंडस्लाइड-बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं में हुई। 32 लोगों की जान सड़क हादसों में हुई है। लैंडस्लाइड के कारण राज्य की 269 सड़कों पर यातायात बंद हैं। चंबा-मंडी जिले में आज बादल फटने की घटना में 5 पुल बह गए।

मध्य प्रदेश के जबलपुर में बरगी बांध के 9 गेट खोले गए। नर्मदा नदी का जलस्तर 4-5 फीट और बढ़ने की संभावना है। शहडोल में जिला अस्पताल के कई वार्ड में पानी भर गया। उमरिया में भी जोहिला डैम के खई गेट खोले गए। छत्तीसगढ़ के सरगुजा रीजन में 10 घंटे तक लगातार बारिश हुई। पूरे इलाके में कई फीट पानी भर गया। सड़क पर खड़े वाहन आधे पानी में डूब गए। ह्न 343 पर सामान से लदा ट्रक गागर नदी में गिर गया।

यूपी के वाराणसी में गंगा उफान पर है। गंगा में हर घंटे 1ष्टरूपानी बढ़ रहा है। गंगा 62.62 मीटर पर बह रही है। खतरे का निशान 71.262 मीटर है। महाश्मशान मणिकर्णिका घाट पानी में डूबा है, इसके कारण चिताएं छत पर जलाई जा रही हैं।

हिमाचल में मानसून का कहर अब तक 78 लोगों की मौत : हिमाचल प्रदेश में 20 जून से 6 जुलाई तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 78 लोगों की मौत हो चुकी है। 50 मौतें लैंडस्लाइड, बाढ़ और बादल फटने से जुड़ी घटनाओं में हुई।

गोविंदपुरा क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों पर बड़ी कार्रवाई

साढ़े 12 करोड़ की शासकीय भूमि से हटाया अतिक्रमण

भोपाल

गोविंदपुरा क्षेत्र में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 12.50 करोड़ मूल्य की शासकीय और निजी भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाया है। बिना अनुमति के विकसित की जा रही दो कॉलोनियों 'श्री श्याम सिटी' और 'मुस्कान सिटी' को ध्वस्त किया गया। यह कार्रवाई गोविंदपुरा एसडीएम रजनीश श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई। गोविंदपुरा क्षेत्र अंतर्गत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 12.50 करोड़ मूल्य की शासकीय और अवैध रूप से विकसित निजी भूमि से अतिक्रमण हटाया है। यह कार्रवाई ग्राम खेजड़ा बरामद नजूल व्रत गोविंदपुरा स्थित अलग-अलग भूमि खसरों पर की गई, जहां बिना अनुमति के कॉलोनियां विकसित की जा रही थीं। ग्राम खेजड़ा बरामद स्थित खसरा नंबर 100 (नोइयत खलियान), रकबा 3.46 एकड़ की शासकीय भूमि में से 0.40 एकड़ हिस्से पर पक्की सड़क और बाउंड्रीवाल बना कर अतिक्रमण किया गया था। इस भूमि का शासकीय मूल्य लगभग 2 करोड़ आंका गया है। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर सड़क और बाउंड्रीवॉल को हटाकर शासकीय भूमि को मुक्त कराया। इसी शासकीय भूमि से लगी 2.81 एकड़ निजी भूमि पर बिना किसी सक्षम अनुमति के राहुल पाल और रोहित मीणा द्वारा श्री श्याम सिटी के नाम से अवैध कॉलोनी काटी जा रही थी। छोटे-छोटे प्लॉट काटकर कॉलोनी विकसित की जा रही थी, जिसका बाजार मूल्य 10.50 करोड़ बताया गया है। प्रशासन ने बनाई गई सड़क और बाउंड्रीवॉल को तोड़कर कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया।

मुस्कान सिटी के नाम पर अवैध कॉलोनी

इसके अतिरिक्त, खसरा क्रमांक 279/3/1, रकबा 1 एकड़ निजी भूमि पर सचिन ठाकुर द्वारा बिना अनुमति के मुस्कान सिटी% के नाम से अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इस कॉलोनी का बाजार मूल्य 2.56 करोड़ है। यहां भी रोड और प्लॉट मार्किंग को हटाकर कॉलोनी को नष्ट किया गया। पूरी कार्रवाई गोविंदपुरा एसडीएम रजनीश श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना सक्षम अनुमति के किसी भी कॉलोनी को विकसित नहीं होने दिया जाएगा। अतिक्रमण और अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अवैध कॉलोनी में प्लॉट खरीदने से पहले संबंधित नगर निगम या टीएनसीपी से वैधता की जांच अवश्य करें। किसी भी अवैध निर्माण या कॉलोनी की जानकारी होने पर प्रशासन को सूचित करें।

पौधरोपण के लिए वैज्ञानिक और टिकाऊ तकनीकों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई ÷एक बगिया मां के नाम परियोजना÷, ÷गंगोत्री हरित योजना÷ और ÷नर्मदा परिक्रमा पथ÷ जैसी योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन योजनाओं के तहत मनरेगा के माध्यम से प्रदेश में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रदेश के 2101 इंजीनियर और 626 कृषि सखी को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मध्यप्रदेश जल-भूमि प्रबंध संस्थान, भोपाल और क्षेत्रीय ग्रामीण विकास-पंचायतराज प्रशिक्षण केंद्रों में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पौधरोपण कार्य वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से किया जाए।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने निर्देश दिए हैं कि नदियों के उद्गम स्थलों पर पौधरोपण को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही मां नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों में पौधरोपण कर तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं दी जाएं। उन्होंने ÷एक बगिया मां के नाम परियोजना÷ को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बताया। मनरेगा के अंतर्गत प्रशिक्षण पाने वाले अधिकारियों में 36 कार्यपालन यंत्री आरईएस, 215 सहायक यंत्री, 47 डीपीएम एसआरएलएम और 1803 उप यंत्री शामिल हैं। इन्हें पौधरोपण की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है, जिससे वे इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कर सकें। प्रदेश में पहली बार पौधरोपण कार्य में अत्याधुनिक तकनीक सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। इस सॉफ्टवेयर की मदद से संबंधित जिलों की जलवायु, मिट्टी की गुणवत्ता, एग्रो क्लाइमेट ज़ोन, स्थल चयन और पानी की उपलब्धता जैसी जानकारियां जुटाकर पौधों की उपयुक्त प्रजातियों का चयन किया जाएगा। जहां सॉफ्टवेयर उपयुक्तता नहीं दिखाता, वहां पौधरोपण नहीं किया जाएगा, जिससे संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उनकी निजी भूमि पर फलदार पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए 626 कृषि सखी को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये कृषि सखी बाद में अन्य स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को पौधारोपण की तकनीक, पौधों के चयन और देखरेख के बारे में प्रशिक्षण देंगी और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगी। इस व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में न केवल पर्यावरण-संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त होगा।

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत की बैठक में तैयारियों पर चर्चा, कन्हैयालाल ईसरानी बने टूर के संयोजक

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर की सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत को राष्ट्रीय की संस्था बनाने एवं इसके विदेशी धरती सिंगापुर में होने वाले पहले सम्मेलन को लेकर बनाए गए मलेशिया-सिंगापुर टूर का संयोजक कपड़ा व्यापारियों की प्रमुख संस्था थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कन्हैयालाल ईसरानी को बनाया गया है। इसके लिए अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश ईसरानी के प्रतिष्ठान पर आयोजित बैठक जिसमें महासचिव सुरेश जसवानी, संरक्षक वासुदेव वाधवानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी, दिनेश वाधवानी, नरेंद्र लालवानी के अलावा राहुल मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में एक सितम्बर से प्रारंभ होने वाली 7 दिवसीय यात्रा पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें बताया गया कि एक सितम्बर को दिल्ली एवं मुम्बई दो जगहों से फ्लाइट में लगभग 120 प्रतिनिधि सवार होंगे, और 2 सितम्बर को मलेशिया पहुंचेगी। वहां दो दिन घूमने का आनंद लिया जाएगा, जबकि 4 सितम्बर को सिंगापुर पहुंचेंगे। इसके बाद 5 सितम्बर को आधे दिन का सम्मेलन रखा गया है। इस सम्मेलन में भारत में सिंधी लिपि, साहित्य, संस्कृति व सभ्यता के समुचित उत्थान, सिंधी समाज के भीतर पनप रही सामाजिक बुराईयों पर प्रभावी रोक पर चर्चा की जाएगी। साथ ही सिंधी सेन्ट्रल पंचायत को राष्ट्रीय स्तर की संस्था घोषित किया जाएगा। बाद में इसका पंजीयन दिल्ली में करवाया जाएगा।

मूक बधिर छात्र-छात्राओं हेतु निःशुल्क सितारे जमीन पर फिल्म का विशेष शो

संत हिरदाराम नगर। नवजीवन सेवा समिति और इनरव्हील क्लब ऑफ भोपाल मिलेनियम ने शा. स्पर्श भवन के 55 दिव्यांग बच्चों के लिए ज्योति सिनेप्लेक्स में निःशुल्क स्पेशल शो सितारे जमीन पर दिखाया गया। फिल्म के बाद अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को प्रेरक संस्मरण सुनाए। समिति प्रवक्ता भगवान दास ढालिया ने बताया कि इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को स्वल्पाहार की व्यवस्था भी माता महालक्ष्मी अन्न क्षेत्र द्वारा की गई बच्चों ने फिल्म देख बहुत आनन्द लिया एवं फिल्म में दिव्यांग बच्चों के प्रस्तुतीकरण पर खुशी जाहिर की। उन्होंने अपने जीवन में आने वाली कठिनाइयों से न घबराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर तरंग अग्रवाल, विनीता दिवाकर, मीरा काँटेवाला, मनोज एवं गौरव ओर स्पर्श विद्यालय के शिक्षक एवं सहयोगी भी उपस्थित थे।

सेवा सदन अस्पताल को स्व. ईश्वरदास राजानी के नेत्रों का दान किया

संत हिरदाराम नगर। भोपाल निवासी ईश्वरदास राजानी का देहावसान शुक्रवार 4 जुलाई को हो गया। दिवंगत के पुत्र कुशल राजानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं। उनके नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2,240 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

महिंद्रा की बीई 6 और एक्सईवी 9ई की पैक टू डिलीवरी जुलाई के अंत से शुरू होगी

मुंबई । महिंद्रा की इलेक्ट्रिक एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) इलेक्ट्रिक ओरिजिन ने भारत के ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) बाज़ार में वैल्यू के हिसाब से सबसे आगे जगह बना ली है। ग्राहकों के जबरदस्त भरोसे और उत्साह के कारण, देश भर में हर 10 मिनट में एक महिंद्रा इलेक्ट्रिक एसयूवी बिक रही है। इस शानदार रफ्तार को जारी रखते हुए, महिंद्रा अपनी दमदार बीई 6 और एक्सईवी 9ई इलेक्ट्रिक एसयूवी के पैक टू मॉडल की डिलीवरी जुलाई के अंत से शुरू कर रही है। इनकी आकर्षक शुरुआती कीमत ?21.90 लाख है। ग्राहकों की ज़बरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए, पैक टू में अब 59 केडब्लूएच बैटरी विकल्प के साथ एक नया 79 केडब्लूएच बैटरी विकल्प भी मिलेगा। इससे ये गाड़ियां शहर में असल में क्रमश=500 किलोमीटर और 400 किलोमीटर तक चल पाएंगी।

सर्वेक्षण सर्वे में पहला स्थाना मिलने पर एसोसिएशन ने विमानपत्तन निदेशक का स्वागत किया

संत हिरदाराम नगर। राजाभोज एयरपोर्ट ने ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण के पहले राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भोपाल एयरपोर्ट की एससी, एसटी वेलफेयर एसोसिएशन ने विमानपत्तन निदेशक रामजी अवस्थी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र सूत्रकार और महासचिव शालिनी भाईशारे ने संयुक्त रूप से कहा कि यह उपलब्धि राजा भोज एयरपोर्ट के समस्त कर्मचारियों, प्रबंधन और विमानपत्तन निदेशक के कुशल नेतृत्व का परिणाम है।

प्रथम स्थान प्राप्त करना न केवल हम सभी के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह स्वच्छ भारत मिशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। विमानपत्तन निदेशक रामजी अवस्थी ने इस अवसर पर सभी कर्मचारियों और एसोसिएशन के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सामूहिक प्रयासों और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी स्वच्छता और उत्कृष्टता के मानकों को बनाए रखने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर एसोसिएशन की अल्पना भी उपस्थित थी।

हमीदिया अस्पताल में अतिक्रमण का मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचा, हरा रंग पोतकर लगा दिया था धार्मिक झंडा

भोपाल। हमीदिया अस्पताल की बाउंड्री बाल में कुछ लोगों ने हरे रंग का पेंट करके वहां धार्मिक झंडा लगा दिया था। जिसके बाद से जूनियर डॉक्टर ने विरोध शुरू कर दिया और थाने में शिकायत की। अब यह शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंच गई है। राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल की बाउंड्री बाल में कुछ लोगों ने हरे रंग का पेंट करके वहां धार्मिक झंडा लगा दिया था। जिसके बाद से जूनियर डॉक्टर ने विरोध शुरू कर दिया और थाने में शिकायत की।

अब यह शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंच गई है। जूनियर डॉक्टरों ने पत्र लिखकर मुख्यमंत्री को बताया है कि किस तरह से हमीदिया अस्पताल के परिसर में लगातार अतिक्रमण बढ़ रहा है। अस्पताल परिसर में हो रहे अतिक्रमण को लेकर जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने मोर्चा खोला दिया है। संगठन के अध्यक्ष डॉ कुलदीप गुप्ता का कहना है कि अस्पताल परिसर में लगातार हो रहे धार्मिक अतिक्रमण से बाहरी लोगों का लगातार आना जाना लगा रहता है जिससे अस्पताल परिसर की सिक्योरिटी एवं सेफ्टी पर समस्याएं खड़ी हो रही है। लगातार डॉक्टरों के साथ कर्मचारीयो के साथ दुर्व्यवहार के मामले सामने आ रहे है। हमारा यही मानना है अस्पताल परिसरों को सुरक्षित किया जाए, जिससे डॉक्टर अपने रोगियों की सेवा पूरी तन्मयता निर्भयता के साथ और पूरी लगन के साथ कर सके।

सीएम से शिकायत में कहा गया है कि गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं हमीदिया चिकित्सालय, भोपाल जो कि राज्य का एक प्रमुख चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान है, वर्तमान में निरंतर धार्मिक अतिक्रमण की समस्या से ग्रसित हो रहा है। यह अतिक्रमण बाहरी व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा है। जिसमे परिसर के अंदर के लोग भी इन गतिविधियों को संचालित करने के लिए सहयोग कर रहे है। जो न केवल संस्थान की गरिमा को ठेस पहुंचा रहा है, बल्कि चिकित्सा सेवाओं एवं शैक्षणिक वातावरण में भी बाधा उत्पन्न कर रहा है। लगातार बाहरी लोगों के द्वारा अनुचित और अनैतिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं जिससे महिला डॉक्टर्स की सुरक्षा के साथ बड़ी लापरवाही भी सामने आई है।

पुलिस अफसर बताकर किया डिजिटल अरेस्ट, खाताधारक पीथमपुर से धराया

महिला से ऐंठे थे पांच लाख रुपए

भोपाल। भोपाल साइबर क्राइम ब्रांच ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर महिला को वीडियो कॉल से 12 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 5 लाख की ठगी करने वाले आरोपी रवींद्र सिंह को पीथमपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी के खाते में ठगी की राशि आने पर पुलिस को सुराग मिला। सायबर क्राइम ब्रांच ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर डिजिटल अरेस्ट करने के बाद महिला को पांच लाख रुपये का चूना लगाने वाले गिरोह के एक सदस्य को पीथमपुर से गिरफ्तारी किया है। बैंक खातों की जानकारी लेते-लेते पुलिस इस आरोपी तक पहुंची थी। आरोपी के खाते में ठगी के कुछ पैसे आए थे। सायबर क्राइम ब्रांच पुलिस ने बताया कि सत्यम शिवम परिसर कोलार में रहने वाली अनु वर्मा ने शिकायत करते हुए बताया था कि उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। उसने पहला फोन वाट्सएप कॉल के जरिए किया। इस बातचीत में खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए वीडियो कॉल के जरिए अनु वर्मा को बताया कि आपका मोबाइल नंबर अवैध है तथा उसका इस्तेमाल अवैध कामों में हुआ है। उसने धमकी दी थी कि आपके नंबर को सीज कर दिया जाएगा तथा गिरफ्तार भी किया जाएगा। जालसाज व्यक्ति की धमकी से अनु वर्मा डर गईं। उनके इसी डर का फायदा उठाते हुए 5 लाख रुपये ऐंठ लिए।

12 घंटे तक रखा था डिजिटल अरेस्ट

ठगों ने फरियादी अनु को एक फर्जी एफआईआर नंबर भी भेजा था। आरोपियों ने मामले को नेशनल सीक्रेट बताकर किसी अन्य को बताने से मना किया था। अनु को लगभग 12 घंटों तक अकेले ही व्हाटसएप वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट कर रखा गया और धमकी दी गई कि किसी अन्य व्यक्ति को इसके बारे में बताया तो स्थानीय थाने के माध्यम से अरेस्ट करके पुलिस कस्टडी में ले लिया जाएगा। इसके बाद आरोपियों द्वारा फरियादी के बैंक खाते में रखे रुपयों को अवैध रकम होना बताकर रुपयों को वेरिफाई करने के लिए भेजने को कहा गया। इस पर फरियादी ने बैंक जाकर आरटीजीएस के माध्यम से पांच लाख रुपये अनावेदक के बैंक खाते में भेज दिए।

बैंक खाते की जानकारी से मिला सुराग

सायबर क्राइम ब्रांच जिला भोपाल की टीम ने प्रकरण दर्ज करने के बाद उन सभी बैंक खातों की जानकारी निकालना शुरू की, जिनके खातों में अनु वर्मा के बैंक खाते से पैसे गए थे। इसकी जानकारी जुटाते-जुटाते पुलिस धार जिले के पीथमपुर तक पहुंची तथा वहां से आरोपी रवींद्र सिंह पिता जय सिंह (35) निवासी जिला चुरू राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा से मिले नेशनल चैम्पियनशिप विजेता भाई बहन, त्रिपुरा में जीते है पदक

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से शनिवार को उनके निवास पर केरला के त्रिसुर में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप-2025 पंजा कुश्ती (आर्म रेसलिंग) में स्वर्ण पदक विजेता रोहित सिंह और उनकी बहन कांस्य पदक विजेता खुशी लहरिया ने भेंट की। नेशनल चैम्पियनशिप में रोहित सिंह ने 2 स्वर्ण पदक और खुशी लहरिया ने 1 कांस्य पदक जीता है। उप मुख्यमंत्री ने रोहित सिंह और खुशी लहरिया के पदक जीतने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने मध्यप्रदेश का नाम देश में रोशन किया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में मध्यप्रदेश के साथ देश का नाम भी रोशन करें। भाई-बहन रोहित एवं खुशी के कोच विक्रम अवार्डी श्री मनीष कुमार के कुशल नेतृत्व एवं प्रशिक्षण से दोनों भाई-बहन ने बेहतर प्रदर्शन किया है। उनके माता-पिता ने बताया कि प्रशिक्षण एवं लगन की बल पर दोनों बच्चों ने स्वर्ण एवं कांस्य पदक जीता है।

इलाज के साथ मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सहारा भी दिया जाएगा

एम्स में कैंसर पीड़ितों के लिए शुरू हुई पेलिएटिव केयर यूनिट

भोपाल। एम्स में पेलिएटिव केयर यूनिट शुरू की गई है। यह यूनिट रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में आने वाले उन मरीजों के लिए तैयार की गई है, जो कैंसर या इस तरह के अन्य जीवन घातक रोग से ग्रसित हैं। यहां उन्हें इलाज के साथ मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सहारा भी दिया जाएगा। राजधानी स्थित एम्स में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए एक अच्छी पहल की गई है। यहां पेलिएटिव केयर यूनिट शुरू की गई है। यह यूनिट रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में आने वाले उन मरीजों के लिए तैयार की गई है, जो कैंसर या इस तरह के अन्य जीवन घातक रोग से ग्रसित हैं। यहां उन्हें इलाज के साथ मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सहारा भी दिया जाएगा। इस यूनिट की खास बात है टीम आधारित देखभाल प्रणाली। जिसमें डॉक्टर, नर्स, काउंसलर और सामाजिक कार्यकर्ता मिलकर मरीज की सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं। यह टीम विशेष रूप से इस यूनिट के लिए तैनात की गई है। यहां केवल रोग का इलाज नहीं, बल्कि मरीज और परिवार के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से काम किया जाएगा।

10 बेड से यूनिट की हुई शुरुआत

इस यूनिट की शुरुआत फिलहाल 10 बेड के साथ की गई है। एम्स के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने कहा कि पेलिएटिव केयर यूनिट केवल एक चिकित्सा सुविधा नहीं, बल्कि गरिमा, संवेदना और समग्र देखभाल का प्रतीक है। यह वार्ड कैंसर मरीजों और उनके परिजनों की पीड़ा को कम करने की कोशिश करेगा।

जाने क्यों तैयार हुई है यूनिट

कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझते मरीज शारीरिक नहीं, मानसिक और भावनात्मक रूप से भी टूट जाते हैं। ऐसे में पेलिएटिव केयर उन्हें एक ऐसा सहारा देती है, जो इलाज के पार भी साथ रहता है। इसमें सम्मान, समझदारी और सहजता के साथ मरीजों को डील करने पर फोकस होता है। जिससे गंभीर बीमारी के अंतिम चरण में भी मरीजों को गरिमापूर्ण और स्नेहभरा वातावरण मिल सके। यह चिकित्सा से आगे एक मानवीय पहल मानी जाती है।

आपसी विवाद को राजनीतिक रंग देने को कोशिश कर रहा है विपक्ष: कमलेश शाह

छिंदवाड़ा। हर्रई के ग्राम तुईयापानी 29 मई की रात में हुए आपसी लेनदेन के विवाद को विपक्ष के नेताओं द्वारा राजनीतिक रंग देने पर अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह एवं भाजपा नेताओं द्वारा आड़े हाथ लेते हुए उस रात को घटित घटना की वास्तविकता से सभी को अवगत करवाया। पीड़ित की शिकायत पर 9 आरोपियों के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज की जा चुकी है जिसमें से 7 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके है और पुलिस 2 आरोपी की तलाश कर रही है। अमरवाड़ा विधायक राजा कमलेश शाह ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग तुईयापानी में 29 मई की रात में दो पक्षों में आपसी लेन देन को लेकर विवाद हुआ, जिसके संबंध में पीड़ित पक्ष द्वारा 30 मई को पुलिस थाना हर्रई में मारपीट की शिकायत भी दर्ज करवाई गई थी। पुलिस थाना हर्रई द्वारा पीड़ितों की शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5) के साथ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। श्री शाह ने कहा कि इस आपसी लेनदेन के विवाद को विपक्ष के नेताओं द्वारा राजनीतिक रंग देते हुए घटना को झूठ बोलकर और बढ़ा चढ़ाकर प्रदर्शित किया जाकर शांतिपूर्ण जिले का सांप्रदायिक सौहाद्र बिगाड़ने को कोशिश करते हुए राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया जा रहा है। श्री शाह ने कहा कि मैं लगातार पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हूं और मामले पर नजर बनाए हुए हूं।

35 बाल वैज्ञानिक राज्य स्तर पर चयनित

कलेक्टर ने किया सम्मानित इंस्पायर अवार्ड मेले में 334 मॉडलों की प्रदर्शनी

छिंदवाड़ा। जिले में आयोजित दो दिवसीय इंस्पायर अवार्ड प्रदर्शनी का समापन हुआ उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में आयोजित इस विज्ञान मेले में छिंदवाड़ा पांढुर्ना क्षेत्र के छात्र छात्राओं ने भाग लिया इसमें कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने विशेष रूप से उपस्थित होकर बाल वैज्ञानिकों के मॉडलों का अवलोकन किया और चयनित विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस मेले में 416 मॉडलों के लिए छात्रा का पंजीयन हुआ था जिसमें से 342 मॉडल प्रदर्शनी में शामिल हुए। दिल्ली से आई राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान एनआईएफ की टीम ने इन मॉडलों का मूल्यांकन किया जिसमें से 35 मॉडल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किए गए। अब ये छात्र भोपाल में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

कलेक्टर ने किया टॉप छात्रों का सम्मान

कलेक्टर ने कार्यक्रम के दौरान मंच से विज्ञान प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले टॉप 5 छात्रों को विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान किया ये छात्र पूर्व कहार, प्रियांशु धुर्वे, गार्गी गुर्दे, रानी डोल, दृष्टि सरेयाम हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि छिंदवाड़ा के छात्रों में अपार प्रतिभा है राज्य स्तर पर चयन के बाद यदि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचते हैं तो यह जिले के लिए गर्व की बात होगी। जिले के इस होनहारों को पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार, संयुक्त कलेक्टर अंकिता त्रिपाठी, जिला शिक्षा अधिकारी जीएस बघेल, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य अवदूत काले सहित स्कूल शिक्षक गण उपस्थित थे।

क्लब अध्यक्ष रोटे विनोद तिवारी एवं सचिव रोटे निलेश गुप्ता को रोटरी कॉलर पहनाकर सौपा पदभार

छिंदवाड़ा। रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा का इंस्टालेशन सेरेमनी 4 जुलाई को होटल देव में नवीन पदाधिकारीयो के पदभार ग्रहण के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी क्लब 3040 के डी जी एन रोटे मुकेश साहू के मुख्य आतिथ्य में एवम गेस्ट ऑफ ऑनर राजा शंकर शाह विश्व विद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर इंद्रा प्रसाद त्रिपाठी व विशेष अतिथि ए के एस रोटे प्रीति साहू,इंस्टालेशन ऑफिसर ए जी रोटे सीए राजेश साहू,विशेष अतिथि रीजनल कोडिनेट रोटे अर्पित नेमा की उपस्थिति में रोटरी क्लब के अध्यक्ष के रूप में रोटे विनोद तिवारी को कालर पहनाकर पदभार ग्रहण करवाया गया। वही सचिव के रूप में रोटे निलेश गुप्ता को कॉलर पहनाकर सचिव का दायित्व सौप गया।इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष रोटे दीपक खंडेलवाल एवम सचिव आशीष जैन ने अपने कार्यकाल के लिए कार्यो की विस्तृत जानकारी प्रदान कर नए नए पदाधिकारीयो को बधाई दी एवम पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।उन्होंने अपने कार्यकाल में सक्रिय योगदान के लिए रोटेरियन साथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।नवनिर्वाचित रोटरी क्लब अध्यक्ष रोटे विनोद तिवारी ने अपनी नई टीम के साथ वर्ष भर किए जाने वाले अपने ड्रीम प्रोजेक्ट की जानकारी दी एवम कहा की सभी रोटेरियन साथियों के साथ साथ सभी सामाजिक संस्थाओ के साथ सेवा भावी कार्य करते हुए इस वर्ष की थीम यूनाइट फॉर गुड को साकार करते हुए उड़ान भरने का कार्य करेंगे साथ ही शिक्षा,स्वास्थ, स्वच्छता पर्यावरण,जल संरक्षण सहित हैप्पी स्कूल,मेंबरशिप ग्रोथ, रायला प्रोजेक्ट,फेलोशिप रक्तदान बालिका शिक्षा,सहित रोटरी क्लब के मूल उद्देश्यो पर आधारित कार्य करते हुए सेवा भावी कार्य करने का विश्वास दिलाया ।

उन्होंने बच्चो के लिए केरियर काउंसलिंग के लिए अनुभवी काउंसलर एवम युवाओं के लिए रोजगार मुखी शिक्षा को अपना सिग्नेचर प्रोजेक्ट बताया।मंच से उन्होंने नए रोटेक्टर क्लब की घोषणा करते हुए सभी नए मेंबर्स का परिचय करवाया। साथ ही शीघ्र इनट्रेक्ट क्लब बनाने की बात कही। रोटरी क्लब में नए रोटरी मेंबर्स के रूप में प्रतीक मक्कड़ को मुख्य अतिथि रोटे मुकेश साहू जी ने रोटरी पिन लगाकर रोटरी क्लब की मेंबरशिप प्रदान कर रोटरी परिवार में शामिल किया। वही राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो इंद्रा प्रसाद त्रिपाठी सर को रोटरी पिन लगाकर ऑनररी मेंबरशिप प्रदान की गई ।

सांसद ने दो मरीजों को दिलाई 70 हजार की आर्थिक सहायता

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू के निवेदन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी स्वेच्छानुदान निधि से छिन्दवाड़ा के निवासी दो मरीजों को अपनी स्वेच्छानुदान निधि से 70 हजार की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। विदित हो कि सांसद श्री साहू 26 जून से 14 दिवसीय छिन्दवाड़ा से खंडवा तक की 411 किलोमीटर की पदयात्रा कर रहे है। अपनी पदयात्रा की व्यस्तता के बाद भी सांसद श्री साहू सेवा कार्य में लगे हुए है। सांसद श्री साहू को जानकारी मिली थी कि आर्थिक रूप से कमजोर दो मरीजों का आर्थिक तंगी के कारण उचित इलाज नही हो पा रहा है। जिसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने अपनी पदयात्रा के दौरान ही दोनो मरीजों के आवेदनों पर अपनी सहमती जताते हुए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को पत्र भेजते हुए उनसे मरीजों को बीमारी के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत करने का निवेदन किया था। जिसके आधार पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने उनकी स्वेच्छानुदान निधि से दोनो मरीजों को 70 हजार की आर्थिक सहायता दी है। उक्त सहायता मिलने से दोनों मरीजों का अस्पतालों में बेहतर ईलाज हो सकेगा।

शासकीय आई.टी.आई. छिंदवाड़ा में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 7 को

छिन्दवाड़ा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था छिन्दवाड़ा में 07 जुलाई 2025 को मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा एफटीसी के लिये आईटीआई उत्तीर्ण केवल पुरूष प्रशिक्षणार्थियों के लिये प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। शासकीय आईटीआई छिंदवाड़ा के नोडल प्राचार्य ने बताया कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था छिन्दवाड़ा में 07 जुलाई 2025 को मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा एफटीसी के लिये आईटीआई उत्तीर्ण केवल पुरूष प्रशिक्षणार्थियों के लिये आई.टी.आई. पास फिटर, डीजल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, टर्नर, मशीनिष्ट, ग्राइंडर, वेल्डर, ट्रेक्टर मैकेनिक आदि के लिये केवल पुरूष प्रशिक्षणार्थी जिनकी उम्र 18 से 26 वर्ष हो भाग ले सकते हैं। चयनित प्रशिक्षणार्थी का जॉब लोकेशन खरखोड़ा हरियाणा रहेगा तथा वेतनमान 28000 रूपये प्रति माह रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी प्रात- 10 बजे तक अपने सभी दस्तावेजों की फोटोकॉपी के साथ निर्धारित संस्था में उपस्थित हो सकते हैं।

संतों के सानिध्य में आज निकलेगी दिंडी यात्रा

छिंदवाड़ा। परमात्मा की असीम कृपा से भगवान विट्ठल रुक्मणि के चरणों मे अर्पित की जाने वाली भव्य एवं दिव्य दिंडी यात्रा धर्म नगरी छिंदवाड़ा में निकाली जाएगी।

दिंडी यात्रा के संयोजक आनंद बक्षी ने बताया कि संत गजानन गुणगान मंडल,सच्चिदानंद सेवा समिति एवं समग्र मराठी समाज द्वारा आषाढ़ी एकादशी देवशयनी ग्यारस के पावन पर्व पर दिंडी यात्रा आयोजित की गई है। दिनांक 6 जुलाई दिन रविवार को प्रातः 7.30 बजे भगवान गणेश भगवान विट्ठल रुक्मणि एवं देवी देवताओं का वैदिक मंत्रोच्चार से पंडित किशोर तातेकर द्वारा अभिषेक किया जाएगा।

आनंद बक्षी ने बताया कि प्रातः 11 बजे श्री शिरडी साई मंदिर विवेकानंद कॉलोनी में दिंडीयों का एकत्रीकरण होगा,दोपहर 12 बजे महामंडलेश्वर डॉ दादू महाराज, महामंडलेश्वर डॉ वैभव अलौनी, ह.भ.प. चिंतामन गुरवे जी के परम सानिध्य में दिंडीया शिव गजानन मंदिर की ओर प्रस्थान करेगी। शिव गजानन मंदिर में संतो के प्रवचन होंगे, यह उल्लेखनीय है कि दिंडी यात्रा में समस्त पुरुष भक्त सफेद वस्त्रों में एवं मातृशक्ति लाल वस्त्र धारण कर उपस्थित होंगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वनाथ ओकते, विजय चौरे, नाना मोहोड़, अजय चौरे, संदीप मोहोड़, जयदेव राउत, रमेश पोफली, कांता योगेश सदारंग,विजय गावंडे सभी जनप्रतिनिधिगण विभिन्न समाजों के जिला अध्यक्षगण , नगर निगम के पार्षदगण, मंडलो के अध्यक्ष एवं पंचायतों के प्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

राज्य के बीएलओ का विधानसभावार प्रशिक्षण 7 से 17 तक

छिन्दवाड़ा। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य के बीएलओ को विधानसभावार प्रशिक्षण 07 जुलाई 2025 से 17 जुलाई 2025 तक दिया जाना है। विधानसभा स्तर पर होने वाले बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर के प्रशिक्षण के संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स की आज 05 जुलाई 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। वीडियो कॉफ्रेंस प्रशिक्षण के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय सहित छिन्दवाडा से सहायक प्राध्यापक पी.जी. कॉलेज छिन्दवाडा डॉ.पी.एन.सनेसर द्वारा प्रदेशस्तर के उपरोक्त अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

शा.बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत किया पौधरोपण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.एस.बघेल के मार्गदर्शन एवं प्रभारी प्राचार्य श्री गोविंद सिंह महड़ोले के नेतृत्व में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चाँद में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। राज्यपाल पुरुस्कृत शिक्षक व कार्यक्रम प्रभारी श्री राकेश कुमार मालवीय ने बताया कि आज शनिवार के दिन गुलाब वाटिका में श्रमदान कर खरपतवार का उन्मूलन किया गया और प्रांगण में पीपल, पुत्रणजीवा, सिल्वर ओक, जामुन के पौधों का रोपण कर सुरक्षा का संकल्प लिया गया। श्रमदान में शिक्षक श्री अरसद खान, श्री दौलत वर्मा, श्री पवन सिंह उइके, छात्र कुलदीप यादव व नवीन यादव ने भाग लिया।

अमरवाड़ा में एक पेड़ मां के नाम के तहत हुआ पौधरोपण

अमरवाड़ा। नगर भाजपा मण्डल अमरवाड़ा के द्वारा शनिवार को मंडी प्रांगण में हरियाली महोत्सव के तहत एक पौधा मां के नाम का संदेश देकर पौधा रोपण किया गया। इस दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और प्रकृति को हरा भरा बनाने का संकल्प दिलाया व सभी से अपनी अपनी माँ के नाम से पेड़ लगाने की अपील की। नगर मण्डल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा ने सभी का आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव, उत्तम ठाकुर, मोनिका बट्टी, नपा अध्यक्ष प्रीती तिवारी,योगेंद्र राणा, विजय पांडे, धर्मेंद्र मिगलानी, शंटी बेदी,अमरवाड़ा भाजपा मण्डल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा, दीपक नेमा, नितिन तिवारी, विनोद चौरसिया, देवेंद्र जैन, प्रहलाद सूर्यवंशी, महामंत्री आशु चचड़ा, मण्डल उपाध्यक्ष सूरज ठाकुर, राजू सराठे, सचिन जैन, अमित नेमा, सुदेश नगवंशी, अर्पित लाला, मुकेश सूर्यवंशी, मोनू चौरसिया, आरीफ शाह,मंडी सचिव आरएस गुमास्ता आदि उपस्थित रहे।

आदिवासी से मारपीट के मामले में निष्पक्ष जांच की रखी मांग

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि मंडल ने सौंपा ज्ञापन, कांग्रेस आदिवासी भाइयों पर हो रहे अत्याचार को बर्दाश्त नहीं करेगी

छिन्दवाड़ा: जिला कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन प्रस्तुत कर अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के हर्रई में आदिवासी युवक के साथ हुई मारपीट व घिनौने कृत्य बेहद निंदनीय है। इस घटना ने सम्पूर्ण मप्र ही नहीं बल्कि देश में छिन्दवाड़ा की छवि को धुमिल करने का कार्य किया है। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ के कार्यकाल में ऐसी घटना कभी घटित नहीं हुई। उस दौर में पुलिस की सख्ती व सक्रियता साफ नजर आती थी, किन्तु वर्तमान में पुलिस अपराध रोकने में असफल है, क्योंकि जिले के सम्पूर्ण थानों व चौकियों में पुलिस अपने मूल कार्यों से इतर अन्य कार्यों में अत्याधिक शामिल है।

छिन्दवाड़ा-पांढुर्ना संसदीय क्षेत्र में लगातार आदिवासी समाज के लोगों पर खासकर आदिवासी भाइयों पर अत्याचार हो रहे हैं। आए दिन हो रही आपराधिक वारदातों को रोकने में प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह विफल है या फिर अपराध में लिप्त गुंडे-बदमाशों को संरक्षण दिया जा रहा जिसके चलते अपराधियों के हौसले बुलंद है। हर्रई में आदिवासी भाई के साथ हुई जघन्य मारपीट की वारदात के पूर्व पांढुर्ना में एक आदिवासी भाई की निर्मम हत्या कर दी गई। वारदात के आरोपी आज भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है और पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा, किन्तु शासन और प्रशासन पूरी तरह से मौन है। कांग्रेस पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक से खुल व साफ शब्दों में कहा कि छिन्दवाड़ा-पांढुर्ना संसदीय क्षेत्र में आदिवासी समाज पर हो रहे अत्याचार को कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। अगर समय रहते प्रशासनिक तंत्र ने उचित कार्रवाई प्रारंभ नहीं की तो कांग्रेस रणनीति बनाकर आदिवासी भाइयों की रक्षा के लिए अगला ठोस कदम उठाएगी।

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि मंडल द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि दिनांक 29 जून 2025 को ग्राम कुईयापानी में आदिवासी युवक के साथ मारपीट की गई जिसकी शिकायत हर्रई पुलिस थाना में दर्ज कराई गई है। पुलिस द्वारा मारपीट करने वालों को गिरफ्तार भी किया गया परन्तु घटना के दूसरे दिन आदिवासी युवक के साथ अनैतिक कार्य की घटना भी सामने आई। एक आडियो में विधायक प्रतिनिधि द्वारा स्वयं स्वीकार किया गया है कि इस घटना को उसके द्वारा ही इस मामले में तुल दिया गया है। जिला कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने उक्त घटना की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई के लिए मांग की है।

ज्ञापन प्रस्तुत करते समय जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, पांढुर्ना जिला प्रभारी गंगाप्रसाद तिवारी, अजय मैद,राजीव तिवारी, राजकुमार मिश्रा व शिव सिरसाम उपस्थित रहे।

कमलनाथ ने दी लाखों रुपए के विकास कार्यों की सौगात

विधानसभा क्षेत्र में होंगे अनेकों विकास के कार्य

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने लाखों रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी है। छिन्दवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यों के निर्माण हेतु प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। उक्त राशि से सभागृह, गेट निर्माण, बाउंड्रीवाल व पानी के टेंकर प्रदान किए जाएंगे। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं छिन्दवाड़ा विधानसभा से विधायक कमलनाथ द्वारा अनुशंसित खनिज मद के विकास कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है। छिन्दवाड़ा विधानसभा में 63 लाख 50 हजार रुपयों की राशि से 26 कार्य पूर्ण होंगे जिससे क्षेत्र की जनता सीधी लाभांवित होगी। माननीय कमलनाथ जी द्वारा प्रदान की गई राशि से सभागृह, स्वागत गेट, बाउंड्रीवाल, पानी टेंकर, पुल, प्रार्थना भवन, बोरवेल, रंगमंच, सामुदायिक भवन, सीसी रोड, टीन शेड निर्माण, कलामंच व रोड सौंदर्यीकरण सहित अन्य कार्य सम्मिलित है। कमलनाथ के द्वारा प्रदान किए गए खनिज मद की राशि से ग्राम बीजेपानी मोक्षधाम में सभागृह निर्माण हेतु 250000, ग्राम भानादेही में स्वागत गेट निर्माण हेतु 100000, ग्राम मालहनवाड़ा में मोक्षधाम में बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 250000, ग्राम कोटलबर्री में पेयजल हेतु पानी का टेंकर 150000 रुपए, ग्राम पिपरिया बीरसा में शासकीय पुल के समीप रिटर्निंग वॉल निर्माण हेतु 450000, ग्राम नवेगांव के मोक्षधाम में प्रार्थना भवन निर्माण हेतु 100000 हजार रुपयों की राशि प्रदान की गई है। ग्राम ककई में पंचायत भवन में बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 250000, सीमेंट रोड निर्माण चन्द्रवंशी के घर से नल जल योजना के बोरवेल तक ग्राम थावरीटेका 200000, देवीरंगमंच के पास बाउंड्रीवाल निर्माण ग्राम डागावानी पिपरिया 250000, देवी मंदिर हेतु रंगमंच निर्माण ग्राम पखाडिया 100000, दयैत बाबा में रंगमंच निर्माण हेतु 100000, माता मंदिर चौक के पास सामुदायिक भवन निर्माण ग्राम रामगढ़ी में 400000, आंगनबाड़ी भवन की बाउंड्रीवाल निर्माण ग्राम जमुनिया 250000, 100 मी सीसी रोड निर्माण ग्राम झिरलिंगा उमेन्द्र सिंह ठाकुर के घर से नदी तक 200000, ग्राम नेर में आदिवासी सामुदायिक भवन निर्माण 400000, टीन शेड निर्माण ग्राम कुहिया माता मंदिर के सामने 100000, सामुदायिक भवन निर्माण ग्राम सलैया 400000, सामुदायिक भवन निर्माण ग्राम सांख 400000, सीमेन्ट रोड निर्माण 1.50 मी ग्राम उभेगांव संतराम के घर से मनेश वानखेडे के घर तक 200000, सामुदायिक भवन निर्माण ग्राम खापाकला स्व. रामजी पटेल पूर्व जनपद अध्यक्ष की स्मृति में 400000, माता मंदिर कलामंच निर्माण धगडिया 150000, ग्राम काराघाट में 100 मी. सीसी रोड निर्माण 200000, ग्राम कपरवाड़ी के बाजार चौक में फर्शीकरण कार्य हेतु 300000, शहरी स्वास्थ्य केन्द्र के सामने बाउन्ड्रीवाल निर्माण, वार्ड 21 सुक्लुढ़ाना छिन्दवाड़ा में 250000 रुपए, वार्ड क्रमांक 39 में शुक्ला ग्राउंड नर्सरी के पास सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य हेतु 250000 एवं वार्ड क्रमांक 39 में बड़वन रोड के सौंदर्यीकरण कार्य हेतु 250000 रुपए की राशि प्रदान की गई है। कमलनाथ ने अपनी विधायक निधि के खनिज मद से 63 लाख 50 हजार रुपए के निर्माण कार्यों की मंजूरी दी है। उक्त राशि से छिन्दवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में अविलम्ब विकास के कार्य पूर्ण होंगे।

आशापुर के घने जंगल और भारी बारिश भी नहीं तोड़ सकी दादा भक्तों के हौसले

छिन्दवाड़ा। छिन्दवाड़ा से होकर पांढुर्णा और बैतूल होते हुए सांसद बंटी विवेक साहू पिछले 10 दिनों से दादा भक्तों के साथ खंडवा तक की पदयात्रा कर रहे हैं। इस दौरान कई स्थानों पर हुई बारिश और बैतूल के आगे और खंडवा के पहले पड़ने वाले आशापुर के घने जंगल और भारी बारिश भी सांसद श्री साहू और दादा भक्त पदयात्रियों के हौसलों को तोड़ नहीं सकी है। बैतूल के आगे आशापुर तक घना जंगल है, इस मार्ग पर यात्रा के दौरान छोटे-छोटे गांव और कस्बे पड़ते है। इस मार्ग में कई जगह तो मोबाईल का नेटवर्क भी नहीं है। बारिश और आंधी तूफान के इस मौसम में रात्रि विश्राम के दौरान कुछ जगह पर कई-कई घंटों तक लाईट भी नहीं रहती है। इन तमाम परेशानियों के बावजूद सांसद श्री साहू और दादा भक्त पदयात्री दादाजी धुनीवाले के भजनों और सुमधुर गीतों के बीच दादाजी धुनीवाले की भक्ति में लीन होकर लगातार अपनी पदयात्रा जारी रखे है।

अधीक्षण अभियंता ने किया सावरी वितरण केंद्र एवं उपकेन्द्रों का औचक निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी छिंदवाड़ा के अधीक्षण अभियंता खुशियाल शिववंशी द्वारा वितरण केंद्र सावरी तथा 33/11 के.वी. उपकेंद्र सावरी, लावाघोगरी एवं मुजावर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सावरी वितरण केंद्र में कनिष्ठ अभियंता द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। कृषि पंप, घरेलू एवं गैर-घरेलू विद्युत कनेक्शनों में लंबित बकाया पर शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधीक्षण अभियंता श्री शिववंशी ने उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति, फीडरों में ट्रिपिंग की समस्या को कम करने, उपकेन्द्रों की सफाई व्यवस्था बनाए रखने तथा सबस्टेशन में ऑपरेटर को प्रतिदिन 8 घंटे की नियमित ड्यूटी देने पर विशेष जोर दिया।इ उपकेंद्र सावरी में साफ-सफाई की स्थिति ठीक नहीं पाई जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण में लॉगबुक, ट्रिपिंग रजिस्टर, परमिट बुक का भी अवलोकन कर उन्हें निर्धारित प्रारूप में संधारित करने को कहा गया।

लावाघोगरी उपकेंद्र में बंद व खराब व्हीसीबी को शीघ्र सुधारने के लिये एसटीसी-एसटीएम संभाग को निर्देशित किया गया। वहीं मुजावर उपकेंद्र में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर पाए जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा उपकरणों की जांच तथा वितरण केंद्र के रिकॉर्ड, 1912 एवं सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई। नए कनेक्शन, विजिलेंस चेकिंग और राजस्व संग्रहण की प्रगति अल्प पाए जाने पर अधीक्षण अभियंता ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। अंत में, उन्होंने ग्राम छीपानाला के उपभोक्ताओं से विद्युत आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली, जिस पर उपभोक्ताओं ने संतोष व्यक्त किया।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग छिन्दवाड़ा द्वारा ली गई सभी बीईओ एवं बीआरसी की बैठक

छिन्दवाड़ा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग छिन्दवाड़ा द्वारा आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में सभी बीईओ एवं बीआरसी की बैठक ली गई। धरती आबा उत्कृष्ट ग्राम अभियान के अंतर्गत आईईसी कैंपेनिंग को सभी विकासखंडों के स्कूलों के माध्यम से जनजातीय वर्ग की आधारभूत सुविधाओं के बारे में जागरूकता फैलाने एवं जनजातीय समुदाय के आधार कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाणपत्र, पीएम किसान सम्मान निधि आदि मूलभूत सुविधाओं का सेचुरेशन किये जाने संबंधी बैठक ली गई। साथ ही भारत सरकार के निर्देशानुसार सभी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के कक्षा 9वीं से महाविद्यालयीन स्तर के छात्र/छात्राओं का ओटीआर से रजिस्ट्रेशन किये जाने की सम्पूर्ण जानकारी दी गई।

बैठक में सहायक संचालक श्री उमेश कुमार सातनकर, क्षेत्र संयोजक श्री मनीष बोरकर सहित सभी विकासखंडों के विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक उपस्थित थे।

समीक्षा तिवारी,अद्वैत गुप्ता, प्रगन अग्रवाल पहली बार रक्तदान कर दिया साहस का परिचय

छिंदवाड़ा। रक्तदान करने का जज्बा बारिश में भी देखते ही बनता था। रोटरी क्लब के रक्तदानियो के कदम बारिश ने भी नही रोक पाए।मौका था रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा द्वारा अपनी नई टीम के द्वारा सेवाभावी कार्यो की शुरुआत एक जुलाई को रक्तदान महादान से करते हुए जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में पहुंच कर रक्तदान किया।रोटरी क्लब छिंदवाड़ा के अध्यक्ष विनोद तिवारी सचिव निलेश गुप्ता ,कोषाध्यक्ष रूपल अग्रवाल ने अपनी टीम के साथ रक्तदान जैसे पवित्र कार्य के लिए सुबह 9 बजे से रोटरी मेगा ब्लड डोनेट कैंप में रक्तदान कर सेवा की मिशाल पेश की।रक्तदान शिविर में सीएमएचओ डाक्टर नरेश गुन्नारे, रोटेरियन रीजनल कोडिनेटर रोटे.अर्पित नेमा, क्लब के पदाधिकारी रोटे,संदीप सिंह चंदेल, रोटे दीपक खंडेलवाल, रोटे.मनोज अग्रवाल,रोटे अरविंद अग्रवाल, रोटे,पंकज अग्रवाल,रोटे, विनीत पाटोदी, रोटे नंदकिशोर डोडानी सोभित मिगलानी, युवराज अल्दाक, अमित मक्कड़ सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन एवम समाजसेवियों ने रक्तदान किया । इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा की हम सभी रोटरी साथियों को रक्तदान महादान जैसे पवित्र कार्य करने का जो आज सुअवसर मिला है इसके लिए हम ईश्वर का शुक्रिया करते है आज रोटरी क्लब सदस्यो एवम उनके द्वारा मोटिवेट कर अन्य रक्तदानियो से रक्तदान करवाकर सेवा की मिशाल पेश की है । आज दोपहर तक लगभग 60 यूनिट रक्तदान किया गया है। और आगे भी और रक्तदानी लोग आने की संभावना है डिस्ट्रिक गवर्नर सुशील मल्होत्रा के आवाह्न पर नए सत्र की शुरुआत की गई है।

संपादकीय

तीर्थ बन गए हैं त्रासदी के ठिकाने- श्रद्धा का सफर या सिस्टम की सजा? तीर्थों पर क्यों हर साल टूटती है आफत

तीर्थस्थल लोगों की आस्था के साथ-साथ पर्यटन, रोजगार और राजस्व अर्जन के महत्त्वपूर्ण केंद्र होते हैं। अपेक्षा की जाती है कि ऐसी जगहों पर लोगों की आवाजाही, रुकने-ठहरने, खाने-पीने की समुचित और सुविधाजनक व्यवस्था हो। सरकारें तीर्थस्थलों के विकास और वहां श्रद्धालुओं-सैलानियों को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं। इस दृष्टि से अनेक तीर्थस्थलों तक पहुंचने वाली सड़कों को चौड़ी करने, सुरंगों, उपरिगामी पुलों आदि के निर्माण, होटल, मोटेल आदि की सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए गए हैं। इसका असर भी नजर आता है। अनेक तीर्थस्थलों पर लोगों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। मगर इसके साथ ही इन जगहों पर कमाई की होड़ में कई अव्यवस्थाएं भी पनपी हैं। इसका नतीजा यह है कि दुर्गम जगहों, पहाड़ों के तीर्थस्थलों पर हादसे बढ़े हैं, जिनमें हर वर्ष बहुत सारे श्रद्धालुओं-सैलानियों की जान चली जाती है। इस मामले में उत्तराखंड के तीर्थस्थलों पर अव्यवस्था की वजह से होने वाले हादसों को लेकर सबसे अधिक सवाल उठते हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से, दो महीनों के भीतर, सड़क दुर्घटनाओं, हेलिकाप्टर हादसे आदि की वजह से करीब साठ लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि वह यात्रियों की हर सुविधा का ध्यान रखता है, पर सच्चाई यह है कि अव्यवस्था के कारण चारधाम यात्रा में कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। यों, सैलानियों की बढ़ती तादाद और उनकी सुविधाओं के मद्देनजर किए जा रहे निर्माण कार्यों की वजह से उत्तराखंड के पर्यावरण को पहुंच रहे भारी नुकसान को लेकर लंबे समय से आवाजें उठती रही हैं। वहां के पहाड़ भंगुर हैं, निर्माण कार्यों और अतार्किक ढंग से बन रहे भवनों, सड़कों आदि के कारण उनमें दरारें पड़ने की शिकायतें आती रहती हैं। तेज बरसात में भूस्खलन से जब-तब तबाही के मंजर उपस्थित हो जाते हैं। इसलिए इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि वहां सैलानियों और पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए, उन्हें नियंत्रित और संतुलित किया जाए, ताकि अधिक भीड़भाड़ से असुविधाओं और जोखिम की स्थिति न बने। पर प्रशासन ने जैसे वहां कारोबारियों को मनमानी की छूट दे रखी है।

पीएम मोदी की अफ्रीकी व दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा से ग्लोबल साउथ को मिलेगी मजबूती, भारत की वैश्विक धमक बढ़ेगी

-कमलेश पांडे

जब वैश्विक पटल पर अमेरिका और चीन एक दूसरे पर पलटवार करने के लिए रूस के मित्र भारत को अपने-अपने खेमे में मिलाने के लिए तरह-तरह की भारत विरोधी चालें चल रहे हैं, वहीं भारत अपनी सधी चाल से रूस को भी हैरत में डालते हुए ग्लोबल साउथ यानी तीसरी दुनिया के देशों पर निरंतर अपनी पकड़ मजबूत करता जा रहा है। इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी विगत 11 वर्षों से लगातार वैश्विक यात्रा कर रहे हैं और भारत की वैश्विक स्थिति को काफी मजबूती प्रदान कर चुके हैं। उनकी कोशिश है कि भारत दुनिया के गुटनिरपेक्ष देशों को एक सशक्त नेतृत्व प्रदान करे और अपने साथ साथ सभी देशों का आशातीत विकास करे। इससे सत्य व अहिंसा की वैश्विक भावना को भी मजबूती मिलेगी।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने 9 दिवसीय विदेश दौरे पर 2 जुलाई को घाना की राजधानी अकरा के लिए रवाना हो गए। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भी भारत के वैश्विक साझेदारी को ग्लोबल साउथ और अटलांटिक के दोनों पक्षों के साथ संबंधों को मजबूत करना है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा में घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा शामिल हैं। पीएम मोदी ने इन देशों को भारत की विदेश नीति के लिए

महत्वपूर्ण साझेदार बताया, जो ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और बहुपक्षीय सहयोग से जुड़े हैं।

अपने इस विदेश यात्रा के दौरान पीएम मोदी अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कई देशों की यात्रा करेंगे, जिसके अपने वैश्विक मायने हैं। इसके अलावा वह ब्राजील की मेजबानी में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे, जहां वह ग्लोबल साउथ से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे। स्पष्ट है कि उनकी यह यात्रा ग्लोबल साउथ में भारत की धमक बढ़ाएगी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अफ्रीकी देश घाना की पहली द्विपक्षीय यात्रा की शुरुआत 2-3 जुलाई को की। वह पिछले तीन दशक में यहां आने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के निमंत्रण पर मैं 2-3 जुलाई को घाना का दौरा करूंगा। घाना ग्लोबल साउथ में एक मूल्यवान साझेदार है और अफ्रीकी संघ और पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास साझेदारी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि घाना की संसद में बोलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

बता दें कि घाना के राष्ट्रपति जान महामा 2015 में इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट के लिए भारत आए थे। वह जनवरी 2025 में तीसरी बार राष्ट्रपति चुने गए हैं। चूंकि घाना भारत को बड़े पैमाने पर वस्तुओं का निर्यात करता है और पश्चिम अफ्रीका की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में से वह एक है। लिहाजा दोनों देश व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। घाना से भारत के आयात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी गोल्ड की है। प्रधानमंत्री मोदी महामा के साथ द्विपक्षीय भागीदारी की समीक्षा करने के साथ ही आर्थिक, ऊर्जा, रक्षा और विकास सहयोग के जरिये इसे और मजबूत बनाने के तौर-तरीकों पर बात करेंगे। वहीं, 3-4 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी त्रिनिदाद एवं टोबैगो की यात्रा करेंगे। क्योंकि कैरिबियाई द्वीप में रहने वाले कुल प्रवासी भारतीयों में से 40-45 प्रतिशत त्रिनिदाद एवं टोबैगो में रहते हैं। प्रधानमंत्री कमला परसाद बिसेसर और राष्ट्रपति क्रिस्टिनी कार्ला कंगालू दोनों ही भारतीय मूल के हैं। लिहाजा प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगों की यह पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी ने कहा कि वह भारत के साथ गहरी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव साझा करता है। उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से मिलूंगा, जो इस साल के प्रवासी भारतीय दिवस की मुख्य अतिथि थीं और दूसरी बार कार्यभार संभालने वालीं प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर से मुलाकात करूंगा। उल्लेखनीय है कि प्रवासी समुदाय के लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 180 साल पहले भारतीय पहली बार त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे थे। यह दौरा हमारे पुश्तैनी और रिश्तेदारी के विशेष बंधनों को नया जीवन देने का अवसर देगा। पीएम मोदी पोर्ट ऑफ स्पेन से ब्यूनस आयर्स जाएंगे, जो 57 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का अर्जेंटीना का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। वहीं, 1999 के बाद भारतीय पीएम की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा भी होगी। क्योंकि पीएम मोदी ने नवंबर 2024 में गुयाना की यात्रा की थी। देखा जाए तो महज आठ माह में कैरेबियाई द्वीप की दूसरी यात्रा से इस बात का संकेत मिलता है कि भारत इस क्षेत्र को कितनी अहमियत दे रहा है। बता दें कि करीब 180 वर्ष पहले भारतीय प्रवासी यहां त्रिनिदाद एवं टोबैगो आए थे। दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं और वित्त वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 34.16 करोड़ डॉलर पहुंच गया। वहीं, 4-5 जुलाई को पीएम मोदी दक्षिणी अमेरिकी देश अर्जेंटीना की यात्रा करेंगे। गत 57 वर्ष में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। जहां वह अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेयी से मुलाकात के दौरान रक्षा, कृषि, खनन, तेल गैस और ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर बात करेंगे। अर्जेंटीना को लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार और जी20 में निकट सहयोगी बताते हुए उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात का इंतजार कर रहा हूं, जिनसे मैं पिछले साल भी मिला था।

कथावाचक कांड की आड़ में- सनातन पर हमला

-मृत्युंजय दीक्षित

इटावा के कथावाचक कांड को राजनीतिक रंग देकर उसमें स्वयं फंसते नजर आ रहे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बाबा बागेश्वर धाम आचार्य धीरेंद्र शास्त्री पर ही हमला बोल दिया और उन पर कथा करने के लिए अंडर द टेबल 50 लाख रुपए लेने का आरोप लगाकर नया विवाद उत्पन्न करने का असफल प्रयास किया है। सपा मुखिया जब इटावा की घटना पर भारतीय जनता पार्टी को घेरने में सफल नहीं हुए तब उन्होंने हिंदू राष्ट्र का नारा देने वाले धीरेंद्र शास्त्री जी पर बयान देकर सनसनी मचाने का प्रयास किया। वास्तव में अखिलेश यादव धीरेन्द्र शास्त्री जी की आड़ में अपनी पीडीए राजनीति को हवा देने का प्रयास कर रहे हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि वर्तमान समय में बाबा बागेश्वर धाम की लोकप्रियता चरम सीमा पर है। बाबा बागेश्वर के लाखों भक्त तथा प्रशंसक हैं, वे जहां भी कथा सुनाने जाते हैं वहां लाखों लोगों की भीड़ उमड़ती है। उनके ऊपर सपा मुखिया ने सुनियोजित षड्यंत्र के अंतर्गत आरोप लगाए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव घोर जातिवाद की राजनीति कर रहे हैं और टीवी चैनलों पर अपने प्रवक्ताओं से बहस करवा रहे हैं कि क्या कथा कहना केवल एक जाति का ही अधिकार है? जब वह इस बहस में पिछड़

गए और फंसने लगे तब बाबा बागेश्वर पर हमलावर हो गये। बाबा बागेश्वर ने अखिलेश के आरोपों का उत्तर देते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि अगर दक्षिणा नहीं लेंगे तो कैंसर अस्पताल कैसे बनेगा? उसमें गरीबों का नि:शुल्क उपचार कैसे होगा? बाबा बागेश्वर धाम गरीब कन्याओं का विवाह कैसे संपन्न करवाएगा? बाबा बागेश्वर यदि हनुमानजी का आशीर्वाद लेकर लोगों की समस्या का समाधान करते हैं तो इससे लोगों को परेशानी क्यों हो रही है ? ज्ञातव्य है कि बाबा बागेश्वर सोशल मीडिया पर भी एक सेलेब्रिटी की तरह हैं। उनके फेसबुक पर साढ़े 8 करोड़ सोशल मीडिया एक्स पर दो लाख तथा इंस्टाग्राम पर भी दो लाख से अधिक फालोअर्स हैं जबकि करोड़ों लोग उनके यूटयूब चैनल को नियमित रूप से देखते हैं। अपनी कथा व उपदेशों के माध्यम से वह जनमानस को हिन्दू एकता और राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाते हैं यही कारण है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव अन्य स्वार्थी नेता उनसे उन पर सामूहिक हमले करते हैं। विगत वर्ष जब बाबा बागेश्वर कथा करने के लिए बिहार गये थे तब वहां के विरोधी दलों के नेताओं ने उनको जेल मे डालने की बात तक कही थी। बाबा बागेश्वर जी से उन सभी राजनैतिक दलों व नेताओं को समस्या उत्पन्न हो रही है जो जातिवाद व मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाह रहे हैं। बाबा बागेश्वर धाम जातिवाद को कैंसर के समकक्ष बताते हैं और हिंदू समाज को एक बनाए रखने के लिए काम करते हैं। हिन्दू एकता के लिए की गई उनकी पहली पदयात्रा बहुत सफल व लोकप्रिय रही थी, अब वह एक बार फिर नई दिल्ली से वृंदावन तक पदयात्रा पर निकलने वाले हैं। सच्चाई यह है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव का बाबा पर यह ताजा हमला उनकी हिंदू संत समाज व सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शाता है। जो लोग अयोध्या, मथुरा व काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के प्रबल विरोधी रहे हों, जिन लोगों ने अयोध्या में निहत्थे कारसेवकों का नरसंहार किया हो, जिन्होंने कुम्भ का उपहास किया हो वो एक हिन्दू राष्ट्र की बात करने वाले युवा संत का विरोध ही करेंगे। जब महाराष्ट्र के पालघर में संतों को मुस्लिम भीड़ ने पीट पीट कर मार डाला था तब सपा मुखिया मौन हो गए थे। सपा मुखिया ने केवल बाबा पर हमला नहीं किया है अपितु सभी कथावाचकों और संतो सहित सनातन धर्म व उसकी एकता पर किया है। सपा मुखिया को स्पष्ट रूप से रामायण, महाभारत, भागवत कथा, आरती, मंदिर, गौशालाओं, गीता आदि सभी से नफरत है। सपा मुखिया को हर उस अच्छी चीज से नफरत है जिससे हिन्दू समाज का गौरव बढ़ता है। सपा के लोग प्राय: रामचरित मानस आदि ग्रंथों का अपमान करने से नहीं चूकते कभी फाड़ते हैं कभी जलाते हैं। है। सपा मुखिया गौशालाओं से बदबू आती है जैसी बातें कहकर भगवान श्रीकष्ण व समस्त यदुवंशी समाज का अपमान कर चुके हैं। सपा मुखिया ने पहले कथावाचक घटना को राजनैतिक रंग देकर फिर बाबा बागेश्वर पर हमला करके एक बहुत ही निम्न राजनैतिक चाल चली है। उत्तर प्रदेश और बिहार ही नहीं वरन पूरे देश को यह समझना होगा। यह समय जातिवाद की राजनीति से ऊपर उठकर स्वार्थी राजनेताओं को पूरी तरह से घूल चटाने का समय आ गया है।

विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चला पेंशन दांव

हाल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक दांव खेला है। विपक्षी पार्टियां इसपर खूब हो-हल्ला कर रही हैं। उनके नेताओं का कहना है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए मुख्यमंत्री ने ऐसा किया है। बिहार में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक-एक कर अपने तुरुप के पत्ते निकालते जा रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से मिलने वाली पेंशन राशि को ढाई गुना से अधिक बढ़ा दी है। अब सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को हर महीने 400 रुपए की जगह 1100 रुपए पेंशन राशि मिलेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की न सिर्फ राशि बढ़ाई है, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक दांव चलकर अपने विरोधियों को चारों खाने चित्त कर दिया है। सरकारी कर्मियों को छोड़कर यह योजना सीधे तौर पर बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को साधती है, जो बिहार का एक बड़ा मतदाता वर्ग है।

-विनोद पाठक

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार देश के ऐसे राजनेताओं में शुमार हैं, जो राजनीति में अपने मास्टर स्ट्रोक के लिए जाने जाते हैं। उन्हें यूं ही राजनीति का चाणक्य नहीं कहा जाता। वो नौवीं बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। हर बार विधानसभा चुनाव में वो ऐसा कुछ कर जाते हैं, जो बिहार की सियासत के गलियारे में भूचाल ला देती है।

पक्ष-विपक्ष कहिए या फिर हरदम साये की तरह साथ रहने वाले उनके सहयोगियों को भी उनकी चाल का पता नहीं रहता। वे कब, कौन-सा दांव खेल जाएंगे? यह केवल उन्हें ही पता रहता है।

हाल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक दांव खेला है। विपक्षी पार्टियां इसपर खूब हो-हल्ला कर रही हैं। उनके नेताओं का कहना है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए मुख्यमंत्री ने ऐसा किया है।

बिहार में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक-एक कर अपने तुरुप के पत्ते निकालते जा रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से मिलने वाली पेंशन राशि को ढाई गुना से अधिक बढ़ा दी है। अब सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को हर महीने 400 रुपए की जगह 1100 रुपए पेंशन राशि मिलेगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की न सिर्फ राशि बढ़ाई है, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक दांव चलकर अपने विरोधियों को चारों खाने चित्त कर दिया है। इस दांव ने मुख्यमंत्री की छवि में चार चांद लगा दिया है। सरकारी कर्मियों को छोड़कर यह योजना सीधे तौर पर बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को साधती है, जो बिहार का एक बड़ा मतदाता वर्ग है।

इस योजना से मुख्यमंत्री को अपने सामाजिक न्याय और कल्याण की छवि को और अधिक मजबूत करने का मौका मिलेगा। साथ ही, इससे आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में भी फायदा होगा। चुनाव के समय प्रचार के दौरान विपक्षी दलों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनेगा।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत बढ़ी हुई पेंशन राशि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए गेम चेंजर

साबित हो सकती है, क्योंकि इस योजना के तहत 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभार्थियों को सीधा फायदा होगा। साथ ही, लाभार्थियों से जुड़े लोग या उन पर आश्रित परिजन भी इस योजना का भरपूर लाभ उठाएंगे।

400 रुपए की जगह अब हर महीने 1100 रुपए मिलने से लाभार्थियों को जरूरत के सामानों को खरीदने में आसानी होगी। उन्हें रोजमर्रा के सामान को खरीदने के लिए किसी पर आश्रित नहीं रहना पड़ेगा। उनके जीवन स्तर में काफी सुधार होगा। इस योजना से एक बड़ी आबादी को फायदा होगा, जिससे सत्ता पक्ष को वोटबैंक की राजनीति में मदद मिल सकती है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत बढ़ी हुई पेंशन राशि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के तरकश से निकला हुआ वह तीर है, जो ग्रामीण और शहरी इलाकों में रहने वाले बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को सीधे साधता है, जो बिहार का एक बड़ा मतदाता वर्ग है। 1100 रुपए की बढ़ी हुई पेंशन राशि से बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी।

अगर एक ही घर में इस योजना के कम-से-कम दो लाभार्थी भी हैं तो महीने में उनके यहां 1100-1100 यानी 2200 रुपए मिलेंगे। पेंशन बढ़ोतरी से इस योजना के लाभार्थियों को महंगाई में बड़ी मदद मिलेगी, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में आसानी होगी।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत बढ़ी हुई राशि देने की मंजूरी कैबिनेट से मिल गई है। अगले महीने यानी जुलाई से इस योजना के लाभार्थियों को बढ़ी हुई पेंशन राशि मिलने लगेगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा है कि हर महीने के 10 तारीख को लाभार्थियों को बढ़ी हुई पेंशन राशि मिल जाएगी। वृद्धजन समाज का अनमोल हिस्सा हैं और उनका सम्मानजनक जीवन-यापन सुनिश्चित करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयत्नशील रहेगी।

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। आगामी अक्टूबर-नवंबर में बिहार में विधानसभा चुनाव की संभावना है और जुलाई से इस योजना के लागू होने से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राजनीतिक और सामाजिक दोनों मोर्चों पर लाभ मिल सकता है।

दरअसल, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र, दिल्ली जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव में महिलाएं गेम चेंजर साबित हुई थीं। उन्होंने पासा पलट दिया था। यही कारण है कि राजनीतिक दलों का फोकस महिला वोटरों पर चला गया है, जिन्हें साइलेंट वोटर भी कहा जाता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी राजनीति के इस दांव से भली-भांति परिचित हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने विद्यार्थी जीवन से लेकर राजनीतिक क्षेत्र तक एक इंजीनियर की तार्किक सोच और सामाजिक कार्यकर्ता की संवेदनशीलता को मिलाकर बिहार में व्यापक परिवर्तन लाने का काम किया है। उन्होंने कानून-व्यवस्था, शिक्षा, सड़क निर्माण और महिला सशक्तीकरण में ठोस योगदान किया।

उनकी राजनीतिक सूझबूझ ने उन्हें एक रणनीतिक नेता बनने में मदद की है। यही कारण है कि पिछले 20 वर्षों से नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यू) बिहार में एक ऐसी शक्ति बनी हुई है, जिसके बिना न तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बना सकती है और न ही राष्ट्रीय जनता दल (राजद), यही कारण है कि सीटें किसी भी पार्टी की ज्यादा हों, मुख्यमंत्री की कुर्सी नीतीश कुमार को ही मिलती है।

पिछले चुनाव में राजद के नेतृत्व में महागठबंधन और एनडीए के बीच बेहद कड़ा मुकाबला हुआ था। बहुमत से कुछ ही सीटें ज्यादा लेकर नीतीश मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन इस बार वो कोई भी गुंजाइश छोड़ना नहीं चाहते हैं।

ग्रामीण समाज तकनीक में महारत

हमारे दूर-दूर के गांवों में कितनी तकनीकी प्रतिभाएं छिपी हुई हैं और अनुकूल अवसर मिलने पर इस क्षमता के कितने अच्छे परिणाम मिल सकते हैं, इसके अनेक बेहतरीन उदाहरण राजस्थान के इस ब्लाक के गांवों में देखे जा सकते हैं। क्षेत्र चाहे सौर ऊर्जा का हो या जल संरक्षण का या दस्तकारों को बाजार की नई जरूरतों के अनुकूल ढालने के प्रयास हो या शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रयोगों का, विविध किस्म के कार्यों में यहां साधारण ग्रामीणों ने असाधारण काम कर दिखाया है।

गिरिराज एक मूक-बधिर गांववासी हैं, जो एक समय पूरी तरह उपेक्षित जीवन जी रहे थे। पर आज वे न केवल स्क्रीन प्रिंटिंग का कार्य बहुत अच्छी तरह से सीख चुके हैं। अपितु अनेक युवाओं को प्रशिक्षण भी दे चुके हैं।

लीला ने औपचारिक स्कूली शिक्षा तो बहुत कम प्राप्त की है पर सौर ऊर्जा का कार्य इतनी अच्छी तरह सीख लिया है कि वह अनेक लोगों को इसका प्रशिक्षण दे चुकी है व अनेक गांवों में सोलर सिस्टम लगा भी चुकी है। उधर उसकी सहेलियां सीता व श्यामा ने पेराबॉलिक सोलर कुकर को लगाने व इसका उपयोग सिखाने की क्षमता प्राप्त कर ली है।

लक्ष्मण एक विकलांग कम पढ़े-लिखे गांववासी हैं जिन्होंने अब टेलीफोन एक्सचेंज आपरेट करने की क्षमता प्राप्त कर ली है। यह सब उदाहरण है अजमेर जिले के सलोरा (किशनगढ़) ब्लाक के गांवों के हैं।

इन छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने का कार्य किया है सामाजिक कार्य और अुसंधान केंद्र नामक एक स्वैच्छिक संस्था ने। इसे बेयरफुट कॉलेज के नाम से भी जाना जाता है। इस संस्था का गहरा विश्वास है कि कम पढ़े-लिखे और औपचारिक प्रशिक्षण से वंचित बहुत से ग्रामीणों में भी अपने आसपास की समस्याओं की गहरी व्यावहारिक समझ होती है और अवसर मिलने पर वे ऐसा बढ़िया समाधान दे सकते हैं जो ऊंची डिग्री वाले शहरी बाबू भी नहीं दे सकते। इतना ही नहीं, नवीनतम उच्च तकनीक को भी एक व्यावहारिक स्तर पर अपनाने और अपनी जरूरतों के अनुसार उसका उपयोग करने की अनेक ग्रामीणों की क्षमता उससे कहीं अधिक है जितना कि आमतौर पर समझा जाता है। केंद्र के अनेक प्रयोगों से यह सिद्ध हुआ है कि ग्रामीण युवाओं को जब ऐसी जिम्मेदारियां दी गई तो उन्होंने उम्मीद से भी अधिक सफलता प्राप्त की।

उदाहरण के लिये सौर ऊर्जा का क्षेत्र अभी हमारे अधिकांश ग्रामवासियों के लिये एक नया और अपरिचित क्षेत्र है. किंतु तिलोनिया गांव में स्थित लगभग साठ हजार वर्ग फीट पर फैला हुआ इस संस्था का नया परिसर लगभग पूरी तरह सौर ऊर्जा चलित है। यहां रोशनी,काफी गहराई से पानी खींचने के पंप तथा अनेक कम्प्यूटरों के परिचालन की व्यवस्था सौर ऊर्जा द्वारा आसपास के गांवों से आए संस्था के सदस्य ही करते हैं। संस्था द्वारा संचालित

अनेक रात्रि पाठशालाओं और फील्ड केंद्रों में सौर ऊर्जा का प्रकाश फैलाने तथा सौर लालटेनों को बनाने का कार्य भी उन्होंने किया है। इस नई तकनीक के क्षेत्र में कुछ परामर्श तो समय-समय पर बाहरी विशेषज्ञों से प्राप्त करना ही पड़ता है और उसमें समय-समय पर कई समस्याएं भी आती रहती हैं, किंतु फिर भी जितनी कुशलता से ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने इस नई तकनीक को संभाला और अपनाया है उसे देखकर कई विशेषज्ञ स्वयं चकित रह जाते हैं। इससे भी अधिक उल्लेखनीय कार्य यहां के कुछ कार्यकर्ताओं ने इस तकनीक को लद्दाख के बहुत दूर-दराज का उन बहुत ऊंचे दुर्गम गांवों में जहां साधारण बिजली पहुंचने की उम्मीद अभी कई वर्षों तक नहीं पहुंचाकर किया है। यह कार्य लद्दाख के युवाओं के सहयोग से किया गया। ऐसे अनेक लद्दाखी युवा तिलोनिया स्थित संस्था के कार्यालय में आए व वहां उन्होंने सौर ऊर्जा का प्रशिक्षण प्राप्त किया। लद्दाख में यह कार्य आगे बढ़ाने के लिए लेह में संस्था का एक उप-केन्द्र भी स्थापित किया गया। अरूणाचल प्रदेश व सिक्किम के कुछ दुर्गम गांवों को भी सौर ऊर्जा से प्रकाशित किया गया है।

वर्ष 1972 में तिलोनिया गांव में कार्य आरंभ करने के समय से ही गांवों में पेयजल की संतोषजनक उपलब्धि इस संस्था का एक प्रमुख उद्देश्य रहा है। इस कार्य में भी स्थानीय ग्रामवासियों की प्रतिभा को आगे लाने का भरसक प्रयास संस्था ने किया है। हैंडपंप की मरम्मत के लिये पहले राजस्थान में एक जटिल और खर्चीली व्यवस्था थी जिसके अंतर्गत कभी-कभी तो छोटे से कार्य के लिये दूरदराज से सरकारी कर्मचारियों का दल कार में बैठकर आता था। केंद्र ने अनुभव किया कि इनमें से अधिकांश मरम्मत कार्य तो गांव के ही प्रशिक्षण प्राप्त लोग ही कर सकते हैं। पांच कि.मी. क्षेत्र के लगभग 30 हैंडपंप की देखरेख जो गांववासी (पुरूष या महिला) कर सके, उनका चुनाव कर संस्था द्वारा उसे हैंडपंप मिस्त्री का प्रशिक्षण दिया गया। उनके इस अनुभव को बाद में पूरे राजस्थान में दोहराया गया।

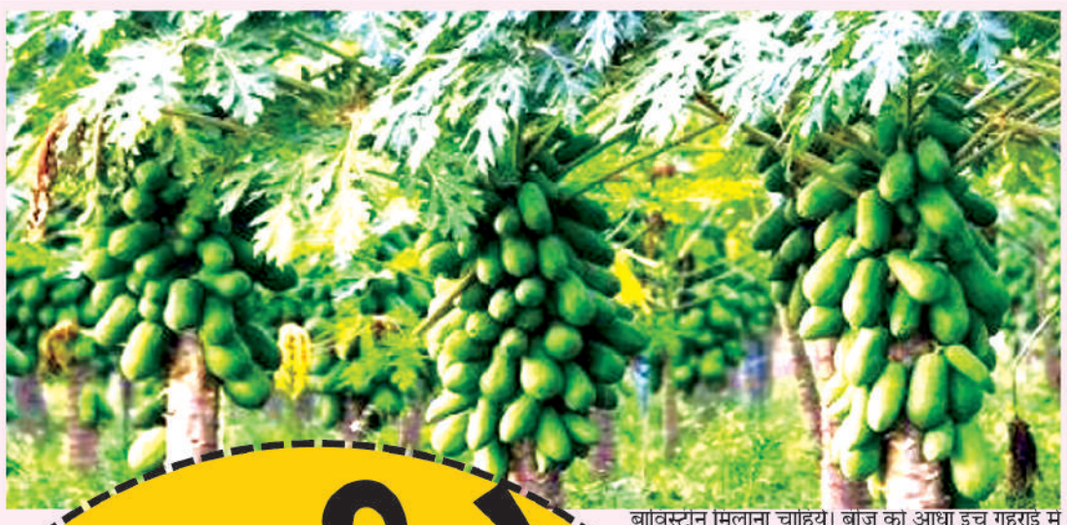

पपीते को दें प्रबंधन की खुराक

जलवायु

पपीता की बागवानी के लिये गर्म और नम जलवायु अधिक उपयुक्त होती है. लू और पाले से पपीते को काफी नुकसान होता है। नर्सरी के लिये शीतोष्ण व समशीतोष्ण जलवायु अनुकूल होती है।

भूमि का चुनावः पपीते की अच्छी पौध उत्पादन के लिये अच्छे जल निकास वाली भूमि जिसका पी.एच. मान 6.5 से 7 हो सर्वोत्तम रहता है।

उन्नत किस्में

पपीते की खेती औद्योगिक रूप से पपेन एंजाइम उत्पादन के लिए की जाती है व इन्हें पपेन किस्म कहते हैं। इसी तरह काटकर खाने वाली पपीते की किस्मों को टेबल किस्में कहते हैं। पपेन प्रमुख किस्में- सी.ओ.5, सी.ओ. 6 हैं.

टेबल किस्में

हनीड्यू, पूसा मेजेस्टी, पूसा जाइंट, सनराइज सोली , सी.ओ.7 (यह संकर किस्म हैं), सूर्या

ताईवान किस्में

यह टेबल किस्में हैं जो ताइवान से आयातित संकर पपीता की किस्में हैं इनमें यू नम्बर-1 (784), रेड लेडी (786), सनराइज (783), तायनुंग-1 (761), तायनुंग-2 (785), तायनुंग-3 (782), ताइवान किस्मों में उभयलिंगी व मादा पौधों की अधिकता होती है।

बीज की मात्रा

एक ग्राम पपीते के बीज में 70 से 75 बीज होते हैं जो कि संकर किस्मों में पाये जाते हैं। एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिये 500 ग्राम व संकर किस्मों (ताइवान) के लिए 200 ग्राम बीज पर्याप्त होता हैं।

बीजोपचार

बीज जनित रोगों से बचाव व अच्छे अंकुरण के लिये बीज को बुवाई से पूर्व 15 मिनिट कपड़े में बांधकर रखें व 10 मिनिट अखबार पर फैलाकर सुखाएं। बीज थोड़ा सूखने के बाद 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति-10 ग्राम बीज पर लगायें। बीज के अंकुरण को सुनिश्चित करने के लिये जिबरैलिक अम्ल (100 पी.पी.एम.) के घोल से 8 घंटे उपचारित करना उपयोगी रहता है।

बीज बुवाई

उपचारित बीजों को क्यारियों या 150 गेज वाली प्लास्टिक की थैलियों (20 × 15 से.मी.) जिनमें दो भाग मिट्टी व एक भाग सड़ी गोबर के खाद अथवा वर्मी कम्पोस्ट का मिश्रण तैयार करके थैलियों को भरें। 150 किलो मिश्रण में 250 ग्राम सुपरफास्फेट व 10 ग्राम बावस्टीन मिलाना चाहिये। बीज का आधा इंच गहराई में बोएं व पानी झारे से डालें।

रूट ट्रेनर में बुवाई

आजकल पौध तैयार करने के लिए विशेष प्रकार की प्लास्टिक ट्रे बाजार में मिलती है. जिन्हे रूट ट्रेनर कहते हैं। इसमें साढ़े चार से.मी. व्यास के 74 से 82 प्लास्टिक कप एक दूसरे से जुड़े रहते हैं। इन कपों में मिट्टी, वर्मी कम्पोस्ट व बारीक बालू का मिश्रण भरकर एक-एक बीज बो दिया जाता है। अंकुरण पश्चात जब पौधे रोपने लायक ऊंचाई के हो जाते हैं तब इन्हें ट्रे से मिट्टी की पिंडी सहित निकालकर थैलियों में रोप दिया जाता है।

बीज का अंकुरण बीज लगाने के 15 दिनों बाद होता है। क्यारियों अथवा थैलियों में पौधे 5 से 7 से.मी. बड़े होने पर उन्हें अन्य थैलियों में बदल देना चाहिये। इस प्रकार खेत में रोपाई पूर्व दो बार बदलने से पौधों की ऊंचाई अधिक नहीं हो पाती है।

पौध संरक्षण

पौधों को अंकुरण पश्चात प्रारंभिक अवस्था में कीटों, तेज हवा व वर्षा से बचाने के लिए चारों ओर प्लास्टिक की चादर अथवा ग्रीन नेट से आच्छादित कर दें. प्लास्टिक की चादर का इस्तेमाल करने पर इसे रात के समय एक तरफ से हटा दें.

आर्द्रगलन

इस रोग में पौधे अंकुरण के पश्चात अचानक नीचे गिर जाते हैं अथवा बीज का सही अंकुरण नहीं हो पाता है. इसकी रोकथाम हेतु पौधशाला की मृदा को फार्मेल्डिहाइड 2.5 प्रतिशत घोल से उपचारित करें व पौध को थैलियों में रोपण से पूर्व बाविस्टीन 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करें.

रस चूसक कीट

माहू, फुदका, सफेद मक्खी - ये कीट पौधशाला में पत्तियों से रसचूसकर पौधों को कमजोर करते हैं साथ ही विषाणु जनित रोगों का फैलाव भी करते हैं. नियंत्रण हेतु डायमिथिएट अथवा मिथाइल डेमेटान एक मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर 20 दिन के अंतराल से छिड़काव करें.

श्रीपद्धति से बढ़ेगा धान उत्पादन

खरीफ फसलों में धान प्रदेश की प्रमुख फसल है, जो कि 80 प्रतिशत क्षेत्र में उगायी जाती है। भारत धान पैदा करने वाले देशों में क्षेत्रफल के हिसाब से प्रथम स्थान पर है तथा चीन का दूसरा स्थान है। परंतु पैदावार की दृष्टि से चीन प्रथम स्थान पर है। जहां चीन का उत्पादन 8.88 टन प्रति हेक्टेयर है, वहीं हमारे देश का उत्पादन केवल 2.93 टन हेक्टेयर पर अटका हुआ है। जबकि धान का कटोरा के नाम से विख्यात छत्तीसगढ़ राज्य का औसत उत्पादन निराशाजनक (0.90) टन स्तर पर बनाहुआ है। जिसे बढ़ाने की महती आवश्यकता है। इसके लिये हमें धान की फसल की सघन उत्पादन की नयी तकनीक (श्री पद्धति) अपनाना है। जिससे हमें 7 से 8 टन उत्पादन प्रति हेक्टेयर प्राप्त हो सकता है।

नर्सरी की तैयारी

इस विधि से एक हेक्टेयर क्षेत्र की रोपाई के लिये 100 वर्गमीटर नर्सरी क्षेत्र की आवश्यकता होती है। इसके लिये 5 किलो बीज लगाना पड़ता है। नर्सरी तैयार करने के लिये पॉलीथिन या जूट बैग के स्तर को समतल जमीन पर बिछाकर बारीक मिट्टी एवं गोबर खाद को (2:1) के अनुपात में मिलाकर 4 से 5 सेमी. मोटी परत बनाये, इसके ऊपर धान के बीजों को छिड़क दें, तथा हल्की बारीक मिट्टी से ढंक दे, इसके पश्चात धान के पुआल से ढककर हजारे से सिंचाई करें, 2-3 दिन पश्चात धान में अंकुरण होते ही पुआल को हटा लें एवं नर्सरी को नम बनाये रखने के लिये आवश्यकतानुसार सिंचाई करे, जब नर्सरी 12 से 14 दिन की हो जाये तो रोपाई करें।

खेत की तैयारी

देशी हल से 4-5 बार अच्छी जुताई कर प्रचलित विधि से हल्की मचाई कर पाटा चलाकर समतल करे. खेत की तैयारी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि खेत में पानी कहीं भी भरा न रहे, इसके बाद रस्सी के सहारे 25×25 सेमी. की दूरी पर रोपाई करें।

किस्मों का चयन

हल्की भूमि के लिये कलिंगा, वनप्रभा, अंजली, तुलसी, पूर्णिमा, भारी (मटासी) भूमि के लिये आई.आर.36,64 क्रान्ति, महामाया, एम.टी.यू. 1010, 1001, स्वर्णा, मसूरी, सफरी 17,एच.एम.टी.बम्लेश्वरी आदि हैं.

रोपाई विधि

रोपड़ी पौधे इस प्रकार उखाड़ें कि उनके साथ बीज मिट्टी और जड़े बिना नुकसान के ज्यों की त्यों बाहर आ जाएं तथा इन्हें उखाड़ने के तुरन्त बाद तैयार खेत में इस प्रकार रोपित करें कि इनकी जड़ी गहराई में न जाये ऐसा करने से पौधे जल्दी लग जाते हैं। पौध से पौध की दूरी 25 से.मी. रखें।

उर्वरक प्रबंधन

10 से 12 टन गोबर अथवा कम्पोस्ट खाद प्रति हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक तत्व के रूप में प्रति हेक्टेयर 260 किलो यूरिया, 800 किलो स्फुर, 67 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश देना चाहिए। उर्वरक के रूप में 250 किलो इफको 12:32:16 तथा 195 किग्रा. यूरिया की आवश्यकता होती है। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा रोपाई के पूर्व खेत की जुताई के समय देना चाहिए, शेष यूरिया को तीन भागों में बांटकर 25 प्रतिशत कंसा भरते समय, 50 प्रतिशत गभोट के समय, 25 प्रतिशत मात्रा खड़ी फसल में दें।

जल प्रबंधन

खेत में नमी रखे, किंतु पानी भरा हुआ न रखे प्रत्येक 2 मीटर के अंतराल पर जल निकास के लिए एक फूट गहरी नाली बनाये, खेत में प्रत्येक 12 दिनों के अंतराल पर 2-3 दिनों के लिये सूखा रखे, जिससे जड़ी एवं कंसों का विकास हो।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार के लिये 21 दिन बाद पहली निंदाई तथा 40 दिन बाद दूसरी निंदाई अवश्य करना चाहिए। जहां निंदाई की सुविधा नहीं है वहां नींदा नाशक दवा का उपयोग करे, ब्यूटाक्लोर (50 ई.सी.) को 3-4 लीटर या पेण्डीमिथालिन (30 ई.सी.) 3.3 लीटर मात्रा जमाव के 1-2 दिन के अंदर प्रयोग करें। इसके बाद 2-4 डी सोडियम साल्ट 625 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करे। इसका प्रयोग धान की रोपाई के एक सप्ताह बाद करना चाहिए।

जरूरी है मिट्टी की नब्ज टटोलना

✦ मिट्टी परीक्षण से उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा का पता चलती है तथा जरूरत के मुताबिक संतुलित उर्वरक देना आसान हो जाता है.

✦ उर्वरकों के संतुलित उपयोग से उपज अधिक तथा लागत में कमी एवं शुद्ध लाभ में वृद्धि होती है।

✦ खेत की उपजाऊ शक्ति लम्बे समय तक बनी रहती है। मिट्टी परीक्षण जैविक खेती का आधार मुख्य है।

खेत की मिट्टी का परीक्षण कैसे करायें :

मिट्टी का परीक्षण कराने के लिये खेत से मिट्टी का नमूना लेकर उसे पास की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा जाता है। खेत से मिट्टी का नमूना लेना बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है।

नमूना लेने का तरीका

✦ पूरे खेत को आकार एवं समरूपता के आधार पर 1 से 2.5 एकड़ के खण्ड में बांट लेते हैं।

✦ प्रत्येक खण्ड को एक नम्बर या नाम देते हैं।

✦ प्रत्येक खण्ड से मिट्टी का एक नमूना तैयार किया जाता है।

✦ एक नमूना तैयार करने के लिये उस खंड में (जिसका नमूना तैयार करना है।) 10 से 20 स्थानों से आधा-आधा किलो मिट्टी इकट्ठी करते हैं।

✦ प्रत्येक स्थान से मिट्टी लेते समय मिट्टी की ऊपरी परत से कचरा एवं डंठल साफ कर देना चाहिए।

✦ साफ करने के बाद प्रत्येक स्थानर पर व्ही के आकार का 15-20 सेमी गहरा गड्ढा करते है।

✦ हर स्थान से गडढे के किसी भी किनारे से गहराई में ऊपर से नीचे तक की एक इंच मोटी मिट्टी की तह को प्लास्टिक की बाल्टी या कपड़े में इकट्ठा करते हैं।

✦ एकत्र मिट्टी का एक ढेर बनाकर (+) धन का निशान बनाते हुये ढेर को चार बराबर भागों में बांटते हैं।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत जिले के 1645 विद्यार्थी लाभान्वित

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मेधावी विद्यार्थियों के बैंक खाते में सिंगल क्लिक से अंतरित की राशि

लैपटाप क्रय हेतु खाते में मिले पच्चीस-पच्चीस हजार रूपये

सीधी। मुख्यमंत्री लैपटाप योजना अंतर्गत कक्षा 12वीं में कक्षा में 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटाप क्रय करने के लिये उनके खाते में रूपये पचीस -पच्चीस हजार प्रदान किये गये जिसमें कुसमी विकास खण्ड के 125, मझौली से 212, रामपुर नैकिन से 378, सीधी विकास खण्ड से 738 और सिहावल विकास खण्ड से 192 कुल 1645 विद्यार्थी लाभान्वित हुये। जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती मंजू सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष एवं अध्यक्षता जनपद पंचायत सीधी के अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह परिहार द्वारा की गई। उन्होंने जिले के मेधावी विद्यार्थी सांदिपनि स्कूल कन्या सीधी की छात्रा संगीता सिंह चौहान, मॉडल स्कूल खजुरी से मानसी तिवारी, रिमझिम तिवारी, कु. अंजू गुप्ता, कु. प्रियंका सिंह, उत्कृष्ट विद्यालय सीधी से शिवांशु मिश्रा, आयुश सिंह, करिश्मा मिश्रा, ज्योति गुप्ता, शिक्षा चतुर्वेदी, और उपनी विद्यालय की आर्तिका सिंह, महक सिंह चौहान, आंचल कोरी, वरूणेन्द्र सिंह, पुष्पेन्द्र कोरी को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुये सीधी जिले की उपलब्धियों को विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम में एस.डी.एम. गोपद बनास नीलेश शर्मा, डी.पी.सी. राजेश तिवारी, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य शम्भूनाथ त्रिपाठी, सहायक संचालक ओशो उत्सव, जिला प्रौढ शिक्षा अधिकारी रामकृष्ण तिवारी, एडीपीसी प्रवीण शुक्ला, उत्कृष्ट विद्यालय के विजय सिंह, पुष्पराज सिंह चन्देल खुटेली, सांदिपनि विद्यालय कन्या सीधी, सीधीखुर्द विद्यालय, क्रमांक-2 सीधी एवं उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुजीत कुमार मिश्रा एपीसी रमसा द्वारा किया गया।

विकास खण्ड स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित हुये

राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सजीव प्रसारण की व्यवस्था विकास खण्ड स्तर पर भी की गई। कुसमी विकास खण्ड अर्न्तगत शा.उ.मा.वि. टमसार, मझौली विकास खण्ड में पथरौला हायर सेकेण्डरी, रामपुर नैकिन अंतर्गत सांदिपनि स्कूल रामपुर एवं सिहावल विकास खण्ड का कार्यक्रम सांदिपनि मॉडल स्कूल सिहावल में आयोजित हुआ।

लैपटॉप क्रय के लिए राशि मिलने से खुश हैं मानसी तिवारी

सीधी। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लैपटॉप क्रय करने की राशि मिलने पर मानसी तिवारी ने मुख्यमंत्री का आभार जताया है। शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खजुरी की छात्रा मानसी तिवारी ने कक्षा 12वीं की परीक्षा में 89.4 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये हैं। मानसी ने कहा कि लैपटॉप मिलने से उसकी आगे की पढ़ाई की राह और आसान होगी। उन्होंने 12वीं कक्षा में मिली सफलता का श्रेय माता-पिता और शाला के शिक्षकों को तथा शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने राज्य शासन द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयासों को दिया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दिनांक 04.07.2025 को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राज्यस्तरीय आयोजित प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन समारोह में मानसी के खाते में लैपटॉप क्रय करने की राशि अंतरित की। इस समारोह का सीधा प्रसारण प्रदेश की सभी शालाओं में किया गया। मानसी तिवारी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीधी में समारोह के सीधे प्रसारण के दौरान मौजूद थी।

मोहर्रम त्यौहार के दृष्टिगत कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई

सीधी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा आदेश जारी कर 06 जुलाई 2025 को मोहर्रम के त्यौहार के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करने हुए कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

जारी आदेशानुसार कार्यपालिक दण्डाधिकारी राकेश कुमार शुक्ला प्रभारी तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील गोपद बनास थाना क्षेत्र कोतवाली सीधी में लगाई गई है। इसी प्रकार एकता शुक्ला नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील गोपदबनास की ड्यूटी जमोड़ी/ सेमरिया में, इन्द्रभान सिंह प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील बहरी की ड्यूटी बहरी में, दिनेश तिवारी प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी सिहावल की ड्यूटी अमिलिया में, आशीष कुमार मिश्रा नायब तहसीलदार /कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील मझौली की ड्यूटी मझौली में, धन कुमार टौप्पो प्रभारी नायब तहसीलदार /कार्यपालिक दण्डाधिकारी मड़वास की ड्यूटी मड़वास में, नारायण सिंह प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील कुसमी की ड्यूटी कुसमी में, अमित कुमार दुबे नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील मड़वास की ड्यूटी भुईमाड़ में, महेन्द्र कुमार द्विवेदी प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी रामपुरनैकिन की ड्यूटी रामपुर नैकिन में, रामप्रताप सोनी प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील चुरहट की ड्यूटी चुरहट में एवं परमसुख बंसल प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील चुरहट की ड्यूटी कमर्जी में लगाई गई है।

जारी आदेशानुसार उपखण्ड दण्डाधिकारी समस्त अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत संबंधित एस.डी.ओ.पी एवं थाना प्रभारी से समन्वय स्थापित कर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखना सुनिश्चित करेंगे। तहसीलदार एव नायब तहसीलदार समस्त अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं संबंधित कोटवारों से शांति एवं कानून व्यवस्था हेतु प्रत्येक स्थानों में सतत निगरानी हेतु निर्देशित करें।

जिले में औसत वर्षा 278.2 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 04 जुलाई को सीधी जिले में 21.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 8.0 मि.मी., चुरहट में 14.5 मि.मी., गोपद बनास में 4.0 मि.मी., सिहावल में 19.0 मि.मी., बहरी में 40.4 मि.मी., मझौली में 13.0 मि.मी. और कुसमी में 54.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 278.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 04 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 406.4 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 113.5, चुरहट में 188.0, गोपद बनास में 197.8, बहरी में 377.7 मझौली में 329.0 मि.मी. और कुसमी में 335.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 113.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 164.8 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र अभय सिंह एवं दिव्यांशु तिवारी मुख्यमंत्री के द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम भोपाल में सम्मानित हुये

सीधी। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिये जिले में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले दो विद्यार्थियों को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेशन सेन्टर (मिन्टो हाल) भोपाल के लिये आमंत्रित किया गया था। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा सीधी जिले के विद्यार्थियों अभय सिंह एवं दिव्यांशु तिवारी द्वारा सम्मानित किया गया। बड़े टी वी स्क्रीन में उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के दोनों विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री जी के हाथों सम्मानित होते देख मंचासीन समस्त अतिथियों के साथ उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य शम्भूनाथ त्रिपाठी एवं विद्यालय परिवार प्रसन्न हुये।

उल्लेखनीय है कि जिला उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के लैपटाप प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या जिले में सर्वाधिक रहती है। जिले में कुल 1645 विद्यार्थी लैपटाप के लिये चयनित हुये है। उत्कृष्ट विद्यालय के 649 विद्यार्थियों में से जिले में सर्वाधिक 298 विद्यार्थी को लैपटाप की राशि प्राप्त हुई है। पथरौला हायर सेकेण्डरी स्कूल उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के बाद सर्वाधिक छात्र संख्या में दूसरे स्थान पर है। पथरौला स्कूल के 75 विद्यार्थियों के खाते में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा उनके बैंक खाते में राशि रूपये पच्चीस हजार ट्रांसफर की गयी।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ने स्वैच्छिकता पर्व के रूप में मनाया अपना स्थापना दिवस

सीधी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के द्वारा 4 जुलाई 2025 को प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय संजय गांधी महाविद्यालय सीधी में श्री धर्मेंद्र सिंह परिहार जनपद अध्यक्ष सीधी तथा श्री लक्ष्मण सिंह वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता व श्री कृष्णकांत द्विवेदी शासी निकाय सदस्य मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की गरिमामय उपस्थिति में अपना स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अजय मिश्रा डायरेक्टर ज्योत्सना पब्लिक स्कूल एवं कार्यकारिणी सदस्य अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा की उपस्थिति रही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश वाचन तथा उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के संदेश के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जनपद अध्यक्ष श्री परिहार ने कहा कि जन अभियान परिषद जन जन का अभियान बनकर निरंतर कार्य कर रहा है तथा आगे आने वाले समय में इसे निरंतर से आगे बढ़ाने का कार्य समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर गांव-गांव एवं परिवार परिवार तक पहुंचने का कार्य जन अभियान ने किया है। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर के वीडियो के माध्यम से संदेश प्रसारित किया गया। कार्यक्रम में डॉ आर एन स्वर्णकार प्राचार्य शासकीय संजय गांधी महाविद्यालय सीधी तथा डॉ रावेंद्र बहादुर सिंह वरिष्ठ प्राध्यापक सीधी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री प्रवेश मिश्रा उपस्थित रहे। जिला समन्वयक जन अभियान परिषद द्वारा उपस्थित अतिथियों का स्वागत दीप प्रज्वलन के उपरांत किया गया। सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नवांकुर प्रस्फुटन एवं छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देने के साथ ही आभार प्रदर्शन विकासखंड समन्वयक अनिल पाठक के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पूरे जिले से प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष/सचिव, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि स्नातक एवं पर स्नातक के छात्र तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम समापन के उपरांत शासकीय संजय गांधी महाविद्यालय विद्या वन मे एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण का शुभारंभ किया गया। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता रैली के साथ ही आज 50 पौधों का रोपण उपस्थित अतिथियों के द्वारा करने के उपरांत आगामी समय में 40000 पौधा रोपण का लक्ष्य लेकर जन अभियान परिषद आगे पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करेगा।

विद्युत पेंशनर्स ने सौंपा ज्ञापन

सीधी। विद्युत पेंशनर्स हित रक्षक संघ शाखा सीधी के विद्युत पेंशन के द्वारा आज दिनांक 4 जुलाई को जिला कलेक्टर महोदय के कार्यालय में तहसीलदार गोपद बनास को भारत सरकार द्वारा मार्च 2025 में परित वित्त विधेयक जिसमें आठवीं वेतनमान आयोग एवं राहत आदि का लाभ देने या ना देने का अधिकार केंद्र सरकार ने अपने विवेक पर लिया है इसके विरोध में ज्ञापन सोपा गया संगठन इस विधेयक का पुरजोर विरोध करता है इसे तत्काल वापस लिए जाने हेतु एवं वरिष्ठ जनों का सम्मान के लिए तथा उनके साथ उनके परिवार के जीविका को सुचारू रूप से चलने के लिए भारत सरकार से अनुरोध किया है जिसमें भीमसेन सिंह, श्याम लाल पांडे, पी.एल. गुप्ता, मोहम्मद वारिस अंसारी, रविनंदन पांडे, सीताराम दुबे, श्याम लाल सिंह, पतीराज सिंह, छोटेलाल सिंह, शिवदयाल कुशवाहा, अश्वनी कुमार विश्वकर्मा, राजरूप विश्वकर्मा, भैयालाल शर्मा, छोटेलाल शर्मा, रविंद्रनाथ गुप्ता, शीतला प्रसाद तिवारी, विजय मिश्रा, सीताराम दुबे, श्यामलाल सिंह परिहार, एच.एल. यादव एवं शेषमणि शर्मा के साथ-साथ कई अन्य विद्युत पेंशनर्स उपस्थित रहे।

दिव्यांग छात्रों का उपकरण वितरण शिविर आज

सीधी। रामपुर नैकिन मे सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत जिला शिक्षा केंद्र सीधी के आदेशनुशार दिव्यांग छात्रों के अध्यापन कार्य मे आने वाली भौतिक रुकावट को दूर करने तथा स्वयं सक्षम बनाने के लिए दिनांक 5 जुलाई 2025 को जनपद शिक्षा केंद्र रामपुर नैकिन मे दिव्यांग बच्चों के लिए उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर मे उन दिव्यांग छात्रों को उपकरण प्रदान किये जायेंगे जिन छात्र-छात्राओं ने दिसंबर 2024 के चिकितस्किय मुल्यांकन शिविर मे भाग लिया था और जिनको उपकरण हेतु चिन्हित किया गया था। शिविर की

शासकीय कन्या महाविद्यालय में 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

सीधी। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम एनएसएस प्रभारी डॉ. प्रतिमा कौल के संयोजन एवं प्राचार्य डॉ. देवेन्द्र कुमार सोनी के संरक्षण में नवीन भवन परिसर में आयोजित हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य के द्वारा छात्राओं को बताया गया कि आज आपके द्वारा लगाया गया एक पौधा कल सौ लोगो को प्राणवायु प्रदान करेगा।

एनएसएस प्रभारी ने बताया कि संस्था से पढ़कर जाने के बाद जब कभी आप इस महाविद्यालय में आएंगे तो ये पेड़ आपका अतीत स्मरण कराएगें। "माँ की ममता पेड़ का दान, दोनो करते जन कल्याण" पंक्तियों के साथ इस कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. नागेन्द्र सिंह, डॉ. अनिलेश वर्मा, डॉ. नवीन सिंह, डॉ. दिलीप यादव, डॉ. पुष्पेन्द्र बहादुर सिंह, डॉ. सूरज सिंह, श्री ज्ञान प्रकाश पटेल, डॉ. रावेन्द्र यादव, डॉ. प्रीती सतनामी, डॉ. प्राची सिंह एवं महाविद्यालय की छात्रायें उपस्थित रही।

संजय गांधी महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित

सीधी। संजय गांधी महाविद्यालय का अंग्रेजी विभाग सबसे चर्चित विभाग माना जाता है। जहां के बच्चे आज अपनी सेवा कई विद्यालय और विश्वविद्यालय में दे रहे है। सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों के द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। अंग्रेजी विभाग विद्यार्थियों के जीवन को पूर्ण रूप से बदलने और संवारने के लिए जाना जाता है। यहां से निकलते हुए छात्र-छात्रा अपने साथ प्रकाश लेकर निकलते है, लेकिन यहां से निकलते हुए हमेशा विद्यार्थियों की आँखें नम रहती है, चूंकि यहां पढ़ाने वाले प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार सिंह बच्चों के भविष्य के लिए विभाग का वातावरण बड़े विश्वविद्यालयों की तरह बनाने के हमेशा प्रयासरत रहते है। प्रो. अनिल सिंह हर छात्र छात्रा में अपना बेटा और बेटी पाते है और उन्हें ज्ञान देकर डांटकर , समझाकर और उन्हें संसार से अवगत कराकर प्रतियोगिता के लिए संसार में छोड़ देते है। वहीं हमे यह जानकर खुशी होती है की प्रो. अंकिता सोनी इसी महाविद्यालय में पढ़कर अब प्रोफेसर की परीक्षा पास करके यही बच्चों का भविष्य संवारने का काम कर रही हैं। विद्यार्थियों के लिए प्रो. अंकिता सोनी रोल मॉडल की तरह है। हर छात्र छात्रा उनमें अपना भविष्य देखते है। अतिथि विद्वान के रूप में रीतू साहू, अर्चना सिंह का योगदान भी विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है।

इस समारोह में विद्यार्थियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया जिनमें सीखा कचेर ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए, अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव को साझा किया, संचालन में सहयोग कर रहे। शशांक पाण्डेय ने अपने कक्षा के अनुभवों को साझा किया, प्रवेश शुक्ला एवं साक्षी पाठक ने अपनी कविताओं से सब को रोमांचित किया। शुभांजलि द्विवेदी एवं शिवानी मिश्रा ने शिक्षकों के योगदान को एक बेहतर भविष्य की बड़ी निव बताया।

प्रो. सिंह ने प्रत्येक छात्र-छात्रा की शिक्षा को, अपने जीवन का प्राथमिक लक्ष्य समझते हैं एवं इसी के लिए प्रयासरत रहते हैं। शिक्षा पर जोर देते हुए प्रो. सिंह ने जीवन की गहराइयों को समझाया, बेशक ये पल उनके लिए भी भावुक कर देने वाला था। कार्यक्रम का आभार प्रकट करते हुए मयंक सिंह ने अंग्रेजी विभाग की गुणवत्ता और इससे आए जीवन में बदलाव का विवरण दिया एवं सभी शिक्षकों के इस अविरल सहयोग को सराहा।

साधारण बच्चों के समान दिव्यांग बच्चों का भी विकास हो : टेकाम

कुसमी में दिव्यांग छात्रों को उपकरण वितरण शिविर संपन्न

सीधी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल एवं जिला शिक्षा केंद्र सीधी के आदेशानुसार दिनांक 4 जुलाई 2025 को विधायक धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम के मुख्य आतिथ्य में तथा जनपद अध्यक्ष श्रीमती श्यामवती सिंह की उपस्थिति में दिव्यांग बच्चों को उपकरण वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की अर्चना के साथ किया गया। तत्पश्चात बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी द्वारा विकास खण्ड के कुल दिव्यांग छात्र छात्राओं की जानकारी दी गई तथा चिन्हांकित बच्चों को क्या सामग्री प्रदाय किया जाना है विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 33 छात्र-छात्राओं को सहायक उपकरण का वितरण किया गया। जिसमें ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, एमआर किट, बैसाखी, श्रवण यंत्र, कैलीपर आदि शामिल हैं।

विधायक श्री टेकाम जी ने कहा कि जो छात्र दिव्यंगता की श्रेणी में आते हैं उनके लिए मध्यप्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था हेतु सभी संसाधन उपलब्ध करा रही है। ऐसे प्रत्येक बच्चे की पहचान कर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए फिर से एलिमिको कंपनी के सहयोग से चिन्हांकन का कार्य कराया जावेगा। साथ ही पुन: आवश्यकतानुसार उपकरण वितरण कराया जावेगा। प्रत्येक बच्चा साधारण बच्चों की भांति शिक्षा ग्रहण कर आगे बढ़ सके यह शासन की मंशा है। हर बच्चा महत्वपूर्ण है तथा यह उपकरण बच्चों को आगे बढ़ने में मदद करेंगे। सभी लोग मिलकर ऐसे बच्चों को आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग करें।

जनपद अध्यक्ष श्रीमती श्यामवती सिंह ने कहा कि मेरे विकासखंड के सभी दिव्यांग बच्चों के लिए उपकरण दिया जा रहा है यह मध्यप्रदेश शासन की बहुत अच्छी पहल है। सामग्री प्राप्त होने पर बच्चों तथा अभिभावकों को एक अच्छा प्रोत्साहन मिलेगा।

कार्यक्रम में तहसीलदार कुसमी नारायण सिंह, शेषमणि मिश्र वरिष्ठ समाज सेवक, राजकुमार तिवारी वरिष्ठ समाज सेवक, एलिमको कंपनी जबलपुर के तकनीशियन, प्रभारी आई ई डी राजेश तिवारी, प्रभारी बीएसी नीलेश विश्वकर्मा, एमआरसी सुदामा पटेल तथा विवेक कुमार मिश्र, जनशिक्षक संजय कुमार सिन्हा, मोहनलाल पनिका, रामेश्वर साकेत, बीरेंद्र प्रताप सिंह, बीरेश सिंह, श्रीभान जायसवाल, डीईओ रमेश तिवारी तथा संबंधित विद्यालय के शिक्षक एवं बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।

कैटरीना कैफ संग अपना फैनगर्ल मोमेंट देख इमोशनल हुईं जरीन खान, बोलीं-

किसी सपने के सच होने जैसा

बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने पुराने पलों को याद करते हुए काफी इमोशनल हो गई हैं। हाल ही में उन्होंने एक थ्रोबैक वीडियो शेयर किया जिसमें वो कैटरीना कैफ से ऑटोग्राफ लेते हुए नजर आ रही हैं। ये वीडियो फिल्म रेस की प्रीमियर नाइट का है, जब जरीन इंडस्ट्री का हिस्सा भी नहीं थीं। वीडियो के साथ उन्होंने एक दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा है जिसने उनके फैंस को भी इमोशनल कर दिया। वीडियो में जरीन को कैटरीना कैफ से मिलते हुए देखा जा सकता है। वो बेहद खुश नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर एक मासूम सी मुस्कान है। पोस्ट में जरीन ने लिखा कि वो उस वक्त बस एक आम लड़की थीं, जो बॉलीवुड की चमक-दमक से प्रभावित थीं और उन्हें ये भी नहीं पता था कि एक दिन वह खुद भी इसी इंडस्ट्री का हिस्सा बनेंगी। उन्होंने लिखा कि उस समय उनके एक दोस्त की बदौलत उन्हें प्रीमियर में जाने का मौका मिला और वही लम्हा आज भी उनके दिल में बसा हुआ है। जरीन ने लिखा कि उस वक्त वो कैटरीना कैफ की दीवानी थीं और उन्हें देखकर उनकी आंखों में एक अलग ही चमक थी। उन्होंने कहा कि उन्हें आज भी वो पल याद है जब उन्होंने पहली बार कैटरीना को सामने से देखा था वो पल उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। ज़रीन ने अपने पोस्ट में यह भी माना कि उस समय कैटरीना को देखकर उन्हें खुद में आत्मविश्वास आया और एक सपना जन्मा। हालांकि, इंडस्ट्री में कदम रखते ही जरीन को कैटरीना से तुलना किए जाने लगी। जहां शुरुआत में ये बात उन्हें गर्व से भर देती थी, वहीं धीरे-धीरे यह उनके लिए बोझ बन गया। जरीन ने खुलकर स्वीकार किया कि उन्हें इस तुलना से काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। उनका कहना है कि एक समय में वो अपने वजन और लुक्स को लेकर पहले ही असहज थीं, ऐसे में बार-बार तुलना किया जाना उन्हें अंदर से तोड़ने लगा। 2010 में सलमान खान के साथ वीर फिल्म से डेब्यू करने वाली जरीन ने इसके बाद रेडी के गाने कैरेक्टर ढीला और हाउसफुल 2 जैसी फिल्मों में अपनी जगह बनाई। हालांकि उन्होंने संघर्षों का सामना भी किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। 2019 में उन्होंने तेलुगू फिल्म चाणक्य से साउथ इंडस्ट्री में भी कदम रखा। जरीन के इस थ्रोबैक वीडियो और पोस्ट पर फैंस ने खूब प्यार लुटाया। कई यूजर्स ने कमेंट कर लिखा कि जरीन की ये ईमानदारी और भावुकता उन्हें औरों से अलग बनाती है।

प्रियंका की तारीफ में आर माधवन ने किया पोस्ट, बोले- उन्होंने वो किया जो हम सपना देखते हैं

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इस समय अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट से सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को भारत में अमेजन प्राइम पर दिखाया जा रहा है। फिल्म में शानदार एक्शन के लिए एक्ट्रेस की तारीफें हो रही हैं। अब इसी कड़ी में अभिनेता आर माधवन ने एक पोस्ट शेयर करके उन्हें बधाई दी है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट का पोस्टर शेयर करते हुए नोट लिखा। अभिनेता ने कैप्शन में कहा, 'नई राह दिखाने और वह सब करने के लिए आप पर गर्व है, जिसका हम सपना देखते हैं। फिल्म में आपने बहुत शानदार काम किया है और आपने खुद को बहुत अच्छे से संभाला है। आपकी जीत व्यक्तिगत लगती है प्रियंका चोपड़ा।' आर माधवन की इस स्टोरी को अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर री-शेयर किया। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, धन्यवाद मेरे दोस्त। आपके प्रोत्साहन की वास्तव में मैं सराहना करती हूं।' इसके साथ अभिनेत्री ने लाल दिल वाला इमोजी और नमस्ते वाला रिएक्शन भी दिया। हॉलीवुड फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट दुनियाभर में 2 जुलाई को रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म भारत में अमेजन प्राइम वीडियो पर दिखाई जा रही है। फिल्म में अभिनेत्री का एक्शन देखने लायक है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के अलावा जॉन सीना, इदरीस एल्बा और जैक क्विड हैं। फिल्म का निर्देशन इल्या नैशुल्लर ने किया है। फिल्म की कहानी दो विश्व नेताओं पर आधारित है। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति और यूके के प्रधानमंत्री के बारे में दिखाया गया है।

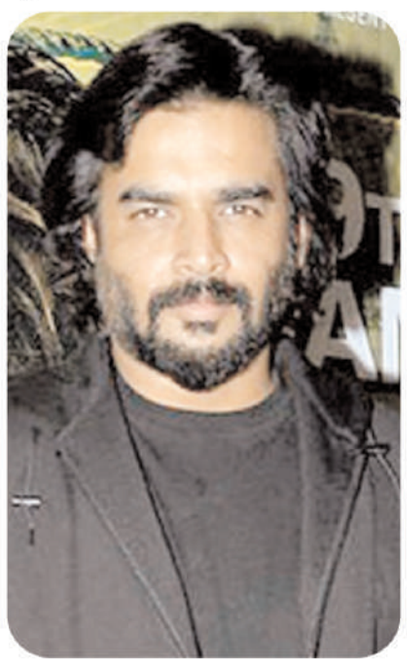

श्रीलीला ने साझा की सोशल मीडिया पर तस्वीर

फिर साथ दिखी 'पुष्पा 2' की ये तिकड़ी

हाल ही में 'पुष्पा 2' की एक्ट्रेस श्रीलीला की मुलाकात डायरेक्टर सुकुमार और एक्टर अल्लू अर्जुन से हुई। श्रीलीला ने 'पुष्पा 2' में आइटम डांस किया था। इन तीनों की मुलाकात एक खास इवेंट में हुई। श्रीलीला ने इसी इवेंट से सुकुमार और अल्लू अर्जुन के साथ एक तस्वीर साझा की है। हाल ही में 8वां अमेरिका तेलुगु संबारालु इवेंट टैम्पा में संपन्न हुआ। इस इवेंट में कई टॉलीवुड के सितारे शामिल हुए। इस इवेंट में अल्लू अर्जुन, सामंथा रुथ, डायरेक्टर सुकुमार, राघवेंद्र राव और एक्ट्रेस श्रीलीला जैसे साउथ सेलिब्रिटी भी नजर आए। इस इवेंट में तेलुगु शख्सियतों की उपलब्धियों को सेलिब्रेट किया गया है।

टैम्पा में हुए इवेंट से ही श्रीलीला ने अपनी, सुकुमार और अल्लू अर्जुन की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। इस तस्वीर में ये तिकड़ी मुस्कुराती हुई दिखी। फैंस इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर खूब शेयर कर रहे हैं। धमाकेदार टीजर के साथ अल्लू अर्जुन-एटली की फिल्म का एलान, दीपिका पादुकोण की हुई एंट्री

फिल्म 'पुष्पा' और 'पुष्पा 2' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। दर्शकों के बीच भी इस फिल्म का क्रेज काफी समय तक बना रहा।

इस फिल्म की कहानी पुष्पा नाम के एक शख्स की है, जो फर्श से अर्श तक का सफर तय करता है। यह एकदम देसी किरदार था। इस फिल्म के डायलॉग भी काफी पॉपुलर हुए। पुष्पा फिल्म की अगली कड़ी यानी 'पुष्पा 3' का इंतजार दर्शकों को काफी समय से है। खबर भी है कि 'पुष्पा 3' पर काम चल रहा है। इन दिनों अल्लू अर्जुन, एटली के साथ एक मेगा बजट फिल्म में व्यस्त हैं।

अनगिनत समझौते, माफी और धैर्य, रुबीना दिलैक ने प्यार और शादी को लेकर किया पोस्ट

रुबीना दिलैक सोशल मीडिया पर अक्सर अपने दिलकश लुक शेयर कर सुर्खियां बटोरती हैं। फैंस उनके स्टाइल और फिटनेस के दीवाने हैं। इसके अलावा रुबीना कई बार जिंदगी के जुड़े मुद्दों पर भी बात करती दिखती हैं। अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने शादी, प्यार और कपल्स की आपसी समझ को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। रुबीना दिलैक ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। रूबीना ने लिखा है, जब आप देखते हैं कि वर्षों बाद भी एक कपल प्यार में है, तो यह किस्मत नहीं है। यह अनगिनत समझौते, क्षमा, धैर्य और एक-दूसरे को चुनना है।-हर एक दिन। प्यार किस्मत नहीं है। यह कोशिश है। समझ है और और दो दिलों का एक साथ बढ़ना है। इसके अलावा रुबीना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक अन्य पोस्ट भी शेयर किया है। इसमें वे लिखती हैं, ऊर्जा मेरी पहली भाषा है। मैं इसे शब्दों से भी अधिक समझती हूं। वर्क फ्रंट की बात करें तो रुबीना कुकिंग रियलिटी शो लाफ्टर शेफ में नजर आ रही हैं। रुबीना दिलैक ने अपने अभिय करियर की शुरुआत शो छोटी बहू से की थी। वह बिग बॉस 14 की विजेता रहे चुकी हैं। निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने अभिनव शुक्ला से साल 2018 शादी रचाई। कपल की दो बेटियां हैं।

बारिश के मौसम में डेटिंग के लिए बेकरार दिखीं ईशा मालवीय, बोलीं- बदल गया है जमाना, अब असली मजा

टीवी एक्ट्रेस ईशा मालवीय अक्सर अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। अब अभिनेत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा, जिसमें उन्हें डेटिंग के लिए बेकरार देखा जा सकता है। इस पर यूजर्स प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। चलिए देखते हैं वायरल वीडियो। ईशा मालवीय जिन्होंने बिग बॉस 17 से काफी प्रसिद्धि पाई थी। अभिनेत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें उन्हें गोल्डन मोतियों से सजी हुई ड्रेस पहने देखा जा सकता है। वीडियो में एक्ट्रेस पैपराजी से बात करती हुई नजर आ रही हैं। ईशा ने कहा, टपरी पे ही तो मजा है, गया वो स्टारबक्स वाला जमाना। इसके जवाब में पैप्स में ने कहा कि पड़ोस में ही एक एक टपरी है और बारिश में वहां चाय पीने में बहुत मजा आता है। इसके बाद अभिनेत्री ने कहा कि आजतक वह एक भी डेट पर नहीं गई है। फिर पैप्स ने जवाब दिया की उनकी पहली डेट मीडिया वालों के साथ होगी। इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिंजस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं।

'घायल हूं..इसलिए घातक हूं', रणवीर की धुरंधर का फर्स्ट लुक रिलीज, अक्षय-संजय ने चौंकाया

बॉलीवुड के एनर्जी स्टार माने जाने वाले अभिनेता रणवीर सिंह आज अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर रणवीर ने अपने फैंस के लिए एक बड़ा गिफ्ट दिया है। रणवीर सिंह की मच अवेटेड फिल्म 'धुरंधर' का फर्स्ट लुक आज रिलीज कर दिया गया है। ये रणवीर सिंह के फैन्स के लिए एक बड़ा तोहफा है। फर्स्ट लुक में रणवीर सिंह दमदार अंदाज में नजर आए हैं। उनके लुक से लेकर उनका एक्शन तक काफी धांसू लग रहा है। फर्स्ट लुक के सामने आने के बाद फैंस रणवीर की इस फिल्म के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

2 मिनट 39 सेकंड के इस फर्स्ट लुक वीडियो की शुरुआत आर माधवन के वॉइस ओवर से होती है। इस वीडियो में पता चलता

है कि फिल्म की कहानी एक सीक्रेट मिशन की कहानी है। जिसमें संभवतः रणवीर सिंह एक सीक्रेट एजेंट के किरदार में नजर आ रहे हैं। इसमें फिल्म की बाकी कास्ट भी नजर आई है। जिसमें आर माधवन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, सारा अर्जुन और अर्जुन रामपाल के भी लुक नजर आए हैं। धुरंधर 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फर्स्ट लुक वीडियो में रणवीर सिंह के दमदार अंदाज के अलावा अगर किसी ने अपने लुक से चौंकाया है, तो वो आर माधवन का लुक है। टीजर में माधवन को पहचानना भी मुश्किल हो रहा है। वो कोट-पैंट पहने और गंजे लुक में नजर आ रहे हैं। उनका लुक काफी हद तक एनएसए अजीत डोभाल के लुक से मिलता हुआ लगता है। इसके अलावा अक्षय खन्ना का लुक भी काफी दमदार लगा है। छावा में औरंगजेब के बाद अक्षय खन्ना एक बार फिर अपने लुक में काफी प्रभावित कर रहे हैं। 'धुरंधर' में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आने वाली है। इसमें रणवीर सिंह के अलावा संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, सारा अर्जुन और अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा फिल्म में और भी कई सारे एक्टर्स नजर आएंगे। 'धुरंधर' को लेकर रणवीर पिछले काफी वक्त से चर्चाओं में बने हुए हैं। शूटिंग से उनके कई वीडियो भी सामने आए थे। जिनमें रणवीर सिंह बड़े बालों और तगड़ी बॉडी वाले लुक में दिखे थे।

क्रिकेट विरासत को सहेजेगा एमपीसीए संग्रहालय

कपिल देव की प्रतिमा से सजा प्रवेश द्वार

इंदौर। इंदौर में मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) ने क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक ऐतिहासिक पहल की है। यहां होलकर स्टेडियम में एक भव्य क्रिकेट संग्रहालय का निर्माण किया है। इस संग्रहालय का उद्घाटन सोमवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर की उपस्थिति में होगा।

लॉर्ड्स की ऐतिहासिक बालकनी

इस संग्रहालय में सबसे खास बात यह है कि इसका प्रवेश द्वार लॉर्ड्स की ऐतिहासिक बालकनी की तर्ज पर बनाया गया है। जिसमें 1983 में भारत ने पहली बार विश्व कप जीता था। यहां कपिल देव की प्रतिमा के हाथों में विश्व कप ट्रॉफी लिए हुए दिखाया गया है। जो दर्शकों का स्वागत करती है। यह दृश्य भारत की क्रिकेट विरासत का प्रतीक बन जाएंगा।

वागेश कनमड़ीकर की अनदेखी

जहां कपिल देव की यह प्रतिमा 1983 की यादों को ताजा करती है, वहीं इंदौर के ही अनंत वागेश कनमड़ीकर, जो उस समय बीसीसीआई के सचिव थे और कपिल के साथ ही लॉर्ड्स की बालकनी में तिरंगा लहरा रहे थे, उन्हें इस विरासत में शामिल नहीं किया गया है। एमपीपीसीए ने

उनकी अनदेखी की है। यह चूक मध्य प्रदेश के क्रिकेट प्रेमियों को निराश कर सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि कनमड़ीकर न सिर्फ उस ऐतिहासिक पल का हिस्सा थे, बल्कि इंदौर के गौरव भी हैं।

संग्रहालय में यह है एतिहासिक विरासत

इंदौर के होलकर स्टेडियम में सीके नायडू, मुश्ताक अली और होलकर युग की ऐतिहासिक वस्तुओं सहित पूर्व दिग्गज क्रिकेटरों के हस्ताक्षरित बल्ले, दस्ताने और अन्य किट सहित 1983 की विश्व विजेता टीम की झलकियों संजोए हुए एक खंड का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही संग्रहालय को एक खेल पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना भी बनाई गई है। यहां एमपीसीए सचिव संजीव राव ने बताया कि हमने होलकर कालीन इतिहास के साथ भारतीय और मध्य प्रदेश क्रिकेट से जुड़ी अमूल्य धरोहरों को इस संग्रहालय में संजोने का प्रयास किया है।

भारत में शुरू हुआ था नया युग

कपिल देव का योगदान क्रिकेट जगत कभी नहीं भूल सकता है। वह ऐतिहासक था जब 1983 में भारतीय टीम के विश्व विजेता बनने के बाद एक नए युग की शुरुआत की थी। पहला वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारत में क्रिकेट को लेकर खिलाड़ियो में उत्साह बढ़ गया था। आत्मविश्वास जाग गया था। जिसके बाद भारत ने क्रिकेट पर राज करना शुरू किया. जल्द ही उन्होंने शारजाह में एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट की विश्व चैम्पियनशिप जीती. भारतीय वनडे इतिहास को अगर हिस्सों में बाटना होगा तो उसे चार हिस्सों में आसानी से बाटां जा सकता है. पहला 1983 तक, दूसरा 1983 से सचिन के आने तक. फिर सचिन के संन्यास के बाद मौजूदा दौर तक भारत क्रिकेट में अपना परचम लहरा रहा है।

कपिल के जादू के बाद अस्त हो गया वेस्टइंडीज का सूरज

1983 वर्ल्ड कप के बाद जहां भारत वर्ल्ड क्रिकेट में एक नए सुपरपावर के रूप में उभरा तो दूसरी तरफ वेस्टइंडीज का सूरज अस्त होता चला गया. 1983 वर्ल्ड कप से पहले कुछ दिग्गज संन्यास ले चुके थे और इस वर्ल्ड कप के बाद कई और दिग्गजों ने संन्यास लिया. वेस्टइंडीज ने पहले दो वर्ल्ड कप जीते थे, लेकिन फिर भारत से मिली हार के बाद वेस्टइंडीज का सूरज ऐसे अस्त हुआ कि टीम उसके बाद से वर्ल्ड कप ही नहीं जीत पाई. 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए तो वेस्टइंडीज क्वालीफाई भी नहीं कर पाई.

डॉ विवेक सिंह परिहार बने मध्यप्रदेश पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष

भोपाल। मध्यप्रदेश पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने डॉ विवेक परिहार को मध्य प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त , डॉक्टर विवेक सिंह परिहार ने कहा कि,मध्यप्रदेश में पैरा स्पोर्ट्स की जानकारी काफ़ी कम लोगों को है, इसलिए मध्यप्रदेश के कई जिलों में पैरा स्पोर्ट्स के नवनियुक्त अध्यक्ष नियुक्त जल्द ही किए जाएंगे और संगठन का विस्तार किया जाएगा वहीं उन्होंने बताया कि,2028 में पैरा ओलंपिक होने वाले हैं,जिसको लेकर हमने मध्यप्रदेश में तैयारियां शुरू कर दी है,इसलिए घर गांव, हर जिले,हर कस्बे,से ऐसे होनहार खिलाड़ियों को चुना जाएगा,ताकि खिलाड़ी अपने हुनर से देश एवं प्रदेश का नाम रोशन कर सके, इसलिए समय-समय मध्य प्रदेश के अनेक जिलों में कैंप लगाकर खिलाड़ियों खेल के प्रति जानकारी देंगे परिहार को यह दायित्व मिलने पर उनके इष्ट मित्रों ने एवं खिलाड़ियों ने बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी(

एक्सारो टाइल्स लिमिटेड को सालाना लगभग 5.67 करोड़ की ऊर्जा लागत में बचत की उम्मीद

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत की अग्रणी विट्रीफाइड और ग्लेज़्ड टाइल्स निर्माता कंपनीएक्सारो टाइल्स लिमिटेड ने गुजरात केगोरल, ईडरमें5 मेगावाटडीसी सौर ऊर्जा परियोजनाकीस्थापना की घोषणा की है। यह परियोजना कंपनी की स्थिरता, परिचालन कुशलता और उत्तरदायी निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। यह सौर परियोजना 25 वर्ष और 4 महीने की लीज़ पर ली गई भूमि पर स्थापितकी गई है और कंपनी कीतालोद, गुजरात स्थित निर्माण इकाईके लिए कैप्टिव उपयोग हेतु समर्पित है। वर्तमान में यह इकाईप्रति वर्ष लगभग2.1 करोड़ यूनिट बिजलीकी खपत करती है। सौर ऊर्जा के इस उपयोगसे कंपनी कोसालाना 5.67 करोड़तक की संभावित बचत की उम्मीद है,जिससे ऊर्जा लागत में लगभग30 प्रतिशत की कमी होगी।

अमरनाथ यात्रा को स्वच्छ बना रहा स्वाहा

पहलगाम/इंदौर। श्री अमरनाथ यात्रा शुरू हो गई है। अमरनाथ यात्रा श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है। श्रद्धा और आस्था में अब स्वच्छता भी जुड़ गया है। अब श्रद्धालु एक नया मंत्र गुनगुना रहे हैं। बोल बम, पर्यावरण को कचरा मुक्त रखेंगे हम। इस पवित्र यात्रा में पर्यावरण और स्वच्छता को जोड़ा है इंदौर के स्टार्टअप स्वाहा ने। जीरो लैंड फिल (कचरा मुक्त) यात्रा की सोच को हकीकत में बदल रहा है स्वाहा। स्वाहा पिछले चार वर्षों से अमरनाथ यात्रा मार्ग को कचरा मुक्त बना रहा है। जम्मू कश्मीर के डायरेक्टरेट ऑफ़ रूरल सैनिटेशन द्वारा यह कार्य स्वाहा को सौंपा गया है !इस बार यात्रा मार्ग में करीब 550 टन कचरा निकलने का अनुमान है। आरडीडी और पंचायती राज के सेक्रेटरी आईएएस श्री एजाज असद और डायरेक्टरेट ऑफ़ रूरल सनिटेशन की डीजी श्रीमती अनु मल्होत्रा ने बताया कि पिछली कई यात्राओं से यात्री बड़ी संख्या में पहाड़ियों पर टनों से कचरा छोड़ते आ रहे थे।

एसएसआई मंत्रा एम 'मेड इन इंडिया' सर्जिकल रोबोट यात्रा ने शुरू किया अपना भारत दौरा

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के पहले और एकमात्र स्वदेश में विकसित सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्रा के निर्माता एसएस इनोवेशन्स ने आज गुरुग्राम स्थित अपने मुख्यालय से एसएसआई मंत्रा एम 'मेड इन इंडिया' सर्जिकल रोबोट यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रोडशो का उद्घाटन हरियाणा सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नारबीर सिंह ने किया। एसएसआई मंत्रा एम सर्जिकल रोबोट यात्रा के साथ भारत ने हेल्थकेयर में एक बदलावकारी यात्रा की शुरूआत की है, जिसके तहत पहली मोबाइल रोबोटिक सर्जरी ट्रेनिंग एवं डेमोन्स्ट्रेशन युनिट का अनावरण भी किया गया। यह आधुनिक 'टेलीसर्जरी-ऑन-व्हील्स' पहल आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी एवं कौशल निर्माण के अवसरों को सीधे देश के अस्पतालों और हेल्थकेयर पेशेवरों तक लेकर आई है।

भारत की सबसे ताकतवर एसयूवी अब सड़कों पर उतरने के लिए तैयार

भोपाल। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की क्रांति का नेतृत्व कर रही और देश की प्रमुख एसयूवी निर्माता टाटा मोटर्स ने आज भारत की सबसे ताकतवर, सबसे सक्षम और सबसे स्मार्ट एसयूवी हैरियर.होम का उत्पादन शुरू कर दिया है। यह गाड़ी पूरे गर्व के साथ टाटा मोटर्स के अत्याधुनिक पुणे प्लांट की उत्पादन लाइन से बाहर निकली, जिसने इसका शानदार डेब्यू किया। तेज बुकिंग और जबरदस्त बाजार प्रतिक्रिया के साथ, हैरियर.होम अब देश भर के डीलरशिप पर पहुंचने को तैयार है, और इसकी कस्टमर डिलीवरी जुलाई 2025 से शुरू होगी। हैरियर.होम दो ड्राइव कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध होगी - क्वाड व्हील ड्राइव और रियर व्हील ड्राइव। यह चार आकर्षक रंगों में आएगी- नैनीताल नॉकटर्न, एम्पावर्ड ऑक्साइड, प्रिस्टिन व्हाइट और प्योर ग्रे।

सेव अर्थ मिशन का वैश्विक विज़न अनावरण

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद के गिफ्ट सिटी क्लब में आयोजित एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कार्यक्रम में, सेव अर्थ मिशन – जो दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ता पर्यावरणीय आंदोलन है – ने अपने ग्लोबल विज़न अभियान का औपचारिक अनावरण किया। इस विज़न का केंद्र बिंदु है- अगस्त 2025 से शुरू होने वाला 60+ देशों में एक साथ चलाया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा वृक्षारोपण अभियान। इस घोषणा को सेव अर्थ मिशन के प्रमुख ग्लोबल विज़न अनवीलिंग कार्यक्रम के दौरान साझा किया गया, जहाँ वैश्विक जलवायु नेता, सरकारी प्रतिनिधि, छात्र, नवप्रवर्तक और पर्यावरणविद एकत्र हुए। इस बहुराष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य है – करोड़ों लोगों को तत्काल जलवायु कार्रवाई के लिए एकजुट करना, पेड़ लगाना, पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करना और नेट ज़ीरो भविष्य की नींव रखना।

आशीष कचोलिया समर्थितश्री लोटस डेवलपर्स को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी, 792 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

मुंबई, एजेंसी। लोटस डेवलपर्स, जो रियल एस्टेट विकास में एक प्रमुख कंपनी है और जिसे प्रसिद्ध निवेशक आशीष कचोलिया और कई बॉलीवुड कलाकारों का समर्थन प्राप्त है, ने सिक्यूरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास प्रारंभिक शेयर बिक्री के माध्यम से 792 करोड़ रुपये जुटाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए थे। अब कंपनी को सेबी से अंतिम मंजूरी मिल चुकी है। यह आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश इश्यू होगा, जिसमें ऑफर-फॉर-सेल का कोई घटक शामिल नहीं है। सैमसंग ने भारत में अपने 2025 बीस्पोक एआई एप्लायंसेज को लॉन्च किया, नए बीस्पोक एआई लॉन्ड्री कॉम्बो को भी पेश किया। गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़ेकंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने अपनी 2025 बीस्पोक एआई एप्लायंसेज रेंज को लॉन्च किया है। इसरेंज में चार मुख्य लाभमिलते हैं। इसे इस्तेमाल करना व देखभाल करना बेहदआसान है, ये बचत करने के साथ ही पूरी तरह सुरक्षित हैं। ये उपकरण सैमसंग के नए एआई होम स्क्रीन, बिक्सबी वॉयस असिस्टेंट के साथ बातचीत, सैमसंग नॉक्स सुरक्षा, और स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी से चलते हैं।

1 अगस्त से बंद हो जाएंगी इंदौर से जोधपुर, उदयपुर और नासिक की डायरेक्ट फ्लाइट्स

इंदौर। इंदौर से राजस्थान के दो बड़े शहरों को जोड़ने वाली फ्लाइट को बंद किया जा रहा है। इससे इसमें यात्रा करने वाले यात्रियों को अब 1 अगस्त से इन शहरों के लिए सीधी उड़ान का फायदा नहीं मिलेगा इसका सबसे बड़ा कारण है यात्रियों की संख्या, बताया जा रहा है कि देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से जोधपुर, उदयपुर और नासिक की सीधी उड़ानें बंद होने जा रही हैं। विमान कंपनी ने यात्रियों की कमी को देखते हुए एक अगस्त से इन शहरों की बुकिंग बंद करने का फैसला किया है।

सीधी कनेक्टिविटी टुटने से बढ़ेगी परेशानी

इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से अगले माह जोधपुर, उदयपुर और नासिक की सीधी उड़ानों का सफर थम जाएगा। यह निर्णय विमान कंपनी ने यात्रियों की कमी को देखते हुए लिया है लेकिन जो यात्री इन फ्लाइट में लगातार सफर करते हैउन्हें परेशानी झेलनी होगी।

राजस्थान की ओर विमान कंपनियों का रुझान कम

बताया जा रहा है कि राजस्थान के कई शहरों के सीधे इंदौर शहर से जोड़ने में विमान कंपनिया भी अधिक उत्साह नहीं दिखाती है क्योकि इस ओर यात्रा करने वाले यात्रियों की कमी है। यह भी बताया

जा रहा है कि राजस्थान से उदयपुर और जोधपुर की ओर यात्रा करने वाले अत्यधिक यात्री ट्रेनों और बसों में सफर करने के प्राथमिकता देते है। इसके साथ ही यह दोनो शहर इंदौर से बिजनेस को लेकर अधिक नहीं जुड़े है। इस कारण इस ओर यात्रियों की संख्या कम ही रहती है।

सीधी उड़ानों का समय में बदलाव है आवश्यक

यहीं इंदौर से उदयपुर और जोधपुर की ओर यात्रा करने वाले अधिकत्तर यात्रियों का कहना है कि विमान कंपनियों द्वारा इंदौर से उदयपुर और जोधपुर के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट का समय भी इसका बहुत बड़ा कारण है क्योकि इन दोनो शहरों के लिए जिस समय पर उड़ाने जाती है वह समय इंदौर से जाने वाले यात्रियों को सुविधाजनक नहीं होता है। यदि विमान कंपनियां सुबह की फ्लाइट शुरू करे जो यात्रियों को सुबह मिल शाम मिल सके तो इन शहरों की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ सकती है।

उदयपुर की ओर हजारों यात्री करते है सफर

उदयपुर और जोधपुर की ओर सफर करने वाले यात्रियों की संख्या हजारों में है। लेकिन इन शहरों में जाने के बाद आगे की ओर टैक्सी की कनेक्टिविटी नहीं मिलती है। इस कारण भी यात्री फ्लाइट से यात्रा करने में दिक्कत महसूस करते है। क्योकि इस ओर यात्रा करने वाले अधिकत्तर यात्री उदयपूर और जोधपुर के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े होते है। ऐसे कई कारणों का अध्यन विमान कंपनियां ना करके सीधे फ्लाइड को बंद करने का निर्णय ले रही है। जबकि राजस्थान के शहरों को जोड़ने वाली फ्लाइट की इंदौर में बसने वाले सैकड़ो लोगों को आवश्यकता रहती है।

सावन के महीने से पहले सोना चांदी की कीमतों में उतार चढ़ाव का दौर जारी

भोपाल। सावन के महीने से पहले सोना चांदी की कीमतों में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। अगर आप आज 6 जुलाई को सोना या चांदी खरीदने के लिए बाजार जा रहे है तो पहले ताजा भाव जान लीजिए। आज रविवार को सोने के दाम 98000 रुपए और चांदी के भाव 1 लाख पार ट्रेंड कर रहे है। आज रविवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 6 जुलाई 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 90,750 , 24 कैरेट का भाव 98, 980 और 18 ग्राम सोने का रेट 74,250 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 10,000 हजार रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव: दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 74 250/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 74, 130/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 74, 170 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 74, 750/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 90, 650/- रुपये । जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 90,750/- रुपये । हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 90,600/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 98,880 रुपये दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 98,980/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 98, 830/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 98,830/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है।

निसान ने 6 राज्यों में नई निसान मैग्नाइट के लिए सीएनजी रेट्रोफिटमेंट के दूसरे चरण की शुरुआत की

नईदिल्ली, एजेंसी। निसान मोटर इंडिया ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी नई निसान मैग्नाइट के लिए सीएनटी रेटोफिटमेंट किट उपलब्ध कराने के दूसरे चरण की शुरुआत का एलान किया। इको फ्रेंडली सीएनजी का विकल्प अब राजस्थान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में निसान की अधिकृत डीलरशिप पर उपलब्ध होगा। पहले चरण में सीएनजी रेट्रोफिटमेंट विकल्प को 7 राज्यों दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और कर्नाटक में उपलब्ध कराया गया था। दूसरे चरण की लॉन्चिंग के साथ अब सीएनजी रेट्रोफिट वैरिएंट देश के 13 राज्यों में उपलब्ध है। कंपनी इसके तीसरे चरण की तैयारी भी कर रही है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सौरभ वत्स ने कहा नई निसान मैग्नाइट भारत में हमारे विकास को गति देने में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और हम ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप इसकी प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के दूसरे चरण की शुरुआत स्वच्छ परिवहन की बढ़ती मांग और मैग्नाइट की खूबी से समझौता किए बिना ग्राहकों को भरोसेमंद एवं उच्च गुणवत्ता वाले विकल्प प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। सरकार द्वारा प्रमाणित किट, अधिकृत फिटमेंट और व्यापक डीलर नेटवर्क के साथ इस पहल से मैग्नाइट का वैल्यू प्रपोजिशन बेहतर होगा, साथ ही सुगम एवं पर्यावरण के अनुकूल समाधान को लेकर हमारे फोकस को भी मजबूती मिलेगी। इस किफायती और पर्यावरण के अनुकूल मोबिलिटी सॉल्यूशन को लेकर ग्राहकों की मजबूत मांग को देखते हुए दूसरा चरण शुरू किया गया है। रेट्रो फिटमेंट किट को सरकार द्वारा प्रमाणित थर्ड पार्टी वेंडर मोटोजेन ने डेवलप, मैन्यूफैक्चर और क्वालिटी एश्योर किया है।

ब्लू क्लाउड सॉफटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड को मिला 9.36 मिलियन अमेरिकी डॉलर का कोस्टल सर्विलांस प्रोजेक्ट

हैदराबाद, एजेंसी। ब्लू क्लाउड सॉफटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड, जो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध एक अग्रणी वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनी है, ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। कंपनी को अमेरिका में अपने क्लाइंट के माध्यम से 9.36 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 78 करोड़) का एक बड़ा कोस्टल सर्विलांस प्रोजेक्ट मिला है। यह परियोजना 18 महीनों में पूरी की जाएगी और इसका उद्देश्य दक्षिण अमेरिका के तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा को मजबूत बनाना है। इस प्रोजेक्ट के तहत अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली विकसित की जाएगी, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और क्लाउड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा।

'डिप्ड इन ब्लैक': नया रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी ब्लैक एडीशन, अब मोनोक्रोम ट्रीटमेन्ट के साथ देगा शानदार स्पोर्टिंग लक्ज़री

मुंबई, एजेंसी। 'डिप्ड इन ब्लैक' के रूप में, रेंज रोवर ने आज रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी ब्लैक का प्रीव्यू किया, जिसमें उत्कृष्ट फीचर्स और डीटेलिंग के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। शानदार लक्ज़री परफोर्मेन्स देने वाली एसयूवी के रूप में रेंज रोवर की स्पोर्ट एसवी प्रतिष्ठा पर आधारित यह पेशकश 2025 के अंत तक ऑर्डर पर उपलब्ध होगी- जो ऑल ब्लैक लुक के सदाबहार आकर्षण का जश्न मनाती है, जिसके विनिर्देशन पहले से रेंज रोवर स्पोर्ट्स क्लाइंट्स के बीच बेहद लोकप्रिय है। पहली

बार पेश की गई विशेष ब्लैक फिनिश के साथ रेंज रोवर एसवी राउंडेल और फ्रंट ग्रिल पर ब्राण्ड बैजेज़ स्टेल्थ-जैसी स्पोर्टिंग लक्ज़री की साहसिक एवं चुनौतीपूर्ण व्याख्या करते प्रतीत होती है।

रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी ब्लैक ब्राण्ड के लिए अधिक प्रयोजन उन्मुख कैरेक्टर पर आधारित है। बाहर की ओर हर डीटेल को ग्लॉस ब्लैक फिनिश में बदला गया है, जो अब तक की सबसे पावरफुल रेंज रोवर स्पोर्ट को और भी प्रभावशाली बनाता है।

मार्टिन लिम्पर्ट, ग्लोबल मैनेजिंग डायरेक्टर, रेंज रोवर ने कहा, ''रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी ब्लैक, स्पोर्टिंग लक्ज़री का प्रतिनिधित्व करती है; जो अपने आप में बोल्ड स्टेटमेन्ट है।

नथिंग ने भारत में अपना पहला टू फ्लैगशिप - नथिंग फ़ोन (3) और पहला ओवर-ईयर ऑडियो प्रोडक्ट - हेडफ़ोन (1) लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। लंदन स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग ने आज भारत में दो श्रेणी-परिभाषित उत्पादों के लॉन्च की घोषणा की - नथिंग फ़ोन (3), इसका पहला टू फ्लैगशिप स्मार्टफ़ोन, और नथिंग हेडफ़ोन (1), इसका पहला ओवर-ईयर ऑडियो उत्पाद है। दोनों उत्पाद इनटेंशनल डिज़ाइन और बोल्ड इनोवेशन के साथ उपभोक्ता तकनीक की पुनर्कल्पना करने के नथिंग के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

नथिंग फ़ोन (3) स्मार्टफ़ोन परफ़ॉरमेंस और एक्सप्रेशन के एक नए युग की शुरुआत करता है। इसे टेक फ़ील महसूस कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें प्रो-ग्रेड ट्रिपल कैमरा सिस्टम है, जिसमें रिच लो-लाइट शॉट्स, लॉसलेस ऑप्टिकल ज़ूम और सभी लेंसों में सिनेमैटिक 4के 60एफपीएस वीडियो के लिए क्लास-लीडिंग 1/1.3 मुख्य सेंसर शामिल है, जिसमें पूर्ण ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन है। अल्ट्रा-नैरो बेज़ेल्स के साथ एक वाइब्रेंट 6.67 एमोलेड़डिस्प्ले और एक शक्तिशाली स्नैपड्रैगन0 8ह्य जनरेशन 4 चिपसेट, सभी एक प्रीमियम मॉड्यूलर डिज़ाइन में आते हैं। ग्लिफ़ मैट्रिक्स के साथ, उपयोगकर्ता एक नज़र में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और फ्लिप टू रिकॉर्ड और ग्लिफ़ खिलौने जैसे मनोरंजक अनुभवों का आनंद ले सकते हैं।

एथर एनर्जी ने 3.7kWh बैटरी पैक के साथ रिज़्टा एस पेश किया, जो 159 किलोमीटर की आइडीसी रेंज प्रदान करता है

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी, एथर एनर्जी लिमिटेड ने रिज़्टा फैमिली स्कूटर लाइन-अप का विस्तार करते हुए 3.7 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ नया रिज़्टा एस पेश किया है। नए रिज़्टा एस की आइडीसी रेंज 159 किमी है, इसलिए यह दैनिक आवागमन के लिए उत्तम है। यह आकर्षक मूल्य में ज्यादा रेंज, आराम, गुणवत्ता और विश्वसनीयता प्रदान करता है, जिसके लिए रिज़्टा मशहूर है।

रिज़्टा का लॉन्च 2024 में एथर के पहले पारिवारिक स्कूटर के रूप में किया गया था। यह दैनिक उपयोगिता, स्टोरेज और सुरक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया था। आज एथर की कुल सेल में रिज़्टा का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है। लॉन्च के एक साल के भीतर ही इसकी 1 लाख यूनिट्स बिक चुकी हैं। नए 3.7 केडब्ल्यूएच वैरिएंट ने रिज़्टा के पोर्टफोलियो को और अधिक मजबूत कर दिया है। यह लॉन्च होने के बाद परिवारों को किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की ज्यादा बड़ी रेंज मिल रही है। इसके लॉन्च के बाद रिज़्टा लाइनअप में चार वैरिएंट उपलब्ध हैं, जो श्रङ्क सेगमेंट में सबसे सुविधाजनक, स्मार्ट और सुरक्षित स्कूटरों में शामिल हैं।

एथर एनर्जी लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर, रवनीत एस. फोकेला ने कहा, रिज़्टा पूरे देश में परिवारों को बहुत पसंद आया है।

बिरला ओपस पेंट्स ने रंगों के ज़रिए भारतीय विरासतों का दिखाया एक नया अंदाज़

नई दिल्ली, एजेंसी। आदित्य बिरला ग्रुप की ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ के अंतर्गत आने वाले बिरला ओपस पेंट्स ने अपने नए ब्रांड कैंपेन 'दुनिया को रंग दो' की शुरुआत की है। दुनिया को रंग दो की सोच पर आधारित यह राष्ट्रीय स्तर की एक भावनात्मक पहल है, जिसकी शुरुआत देश की ऐतिहासिक धरोहर गेटवे ऑफ इंडिया से हुई है। यह कैंपेन बताता है कि रंगों की ताकत न केवल स्मारकों को नया रूप दे सकती है, बल्कि देशभर में गर्व, सौंदर्य और सकारात्मक बदलाव की भावना भी जगा सकती है।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी तिरुचिरापल्ली और डसॉल्ट सिस्टम्स ने एडवांस्ड इंजीनियरिंग की शिक्षा

तिरुचिरापल्ली/दिल्ली एजेंसी। भारत में अग्रणी इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली और डसॉल्ट सिस्टम्स ने एक सहयोगी पारिस्थिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। यह तंत्र इंजीनियरिंग नवप्रवर्तन को बढ़ावा देगा, कौशल विकास करेगा, स्टार्टअप इनक्यूबेशन करेगा और स्थानीय अनुसंधान को बढ़ावा देगा। इस गठबंधन का लक्ष्य डसॉल्ट सिस्टम्स के 3डी एक्सपीरियंस प्लेटफॉर्म और टेक्नोलॉजी विशेषज्ञता का उपयोग विद्यार्थियों, शिक्षकों और शुरुआती चरण के उद्यमियों को उद्योग प्रासंगिक डिजिटल कौशल और एप्लीकेशंस से युक्त करना है।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा तारा ऑफसेट प्रिंटर्स शेड नम्बर 2, बीडीए के सामने, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से मुद्रित एवं 87,पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)